तापमान
अधिकतम 32.2 डिग्री
न्यूनतम 17.1 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 12 अक्टूबर 2025

12 मोदी ने किसानों को दिया 42 हजार करोड़ का...

12 काकरू की स्लम बस्ती में लायंस क्लब अंबाला..

उत्तर भारत के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध मेला श्रीकपालमोचन की तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रहीं, जिला प्रशासन सख्त

मेला प्रशासक एवं एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

उत्तर भारत के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध मेला श्रीकपालमोचन मेला में श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। वहीं, मेला स्थल पर आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। उक्त जानकारी मेला प्रशासक एवं एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने दी। मेला प्रशासक एवं एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने बताया कि इस बार पांच दिवसीय श्रीकपालमोचन मेला एक से पांच नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए तैयारियों युद्धस्तर पर की जा रही हैं।

मेला धार्मिक आस्था और लोक परंपराओं का प्रतीक

> मेले में श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिसके लिए प्रबंध किए जा रहे हैं

यमुनानगर। श्रीकपालमोचन मेले में श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए रोलर मशीन द्वारा किया जा रहा सड़कों का सुदृढ़किरण।

पंजाब, हरियाणा, उप्र और उत्तराखंड सहित देशभर के कई राज्यों से बड़ी संख्या में आते हैं श्रद्धालु

पांच दिवसीय श्रीकपालमोचन मेला एक से पांच नवंबर तक आयोजित किया जाएगा

मेला स्थल तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम करने के लिए सड़कों का सुदृढ़किरण किया जा रहा है। वहीं, मेला स्थल और सड़कों पर लाइटिंग की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्रीकपालमोचन मेला धार्मिक आस्था और लोक परंपराओं का प्रतीक है। जिसमें हर वर्ष पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु भाग लेने आते हैं। मेला प्रशासक जसपाल सिंह गिल ने बताया कि श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मेला क्षेत्र में पवित्र सरोवरों में स्नान करते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं।

सड़कों का किया जा रहा सुदृढ़ीकरण

मेला प्रशासक जसपाल सिंह गिल ने बताया कि मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रणजीतपुर से कपाल मोचन, लेदी,प्रताप नगर रोड से कपाल मोचन, व्यासपुर से कपाल मोचन तथा साढौरा से कपाल मोचन तक आने वाले सभी सड़कों की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से जारी है। ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई असुविधा न हो। मेला क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु बिजली के खंभों और तारों की मरम्मत व टाइटनिंग का कार्य किया जा रहा है।

सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएंगे

मेला प्रशासक एवं एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिसके लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। ताकि श्रद्धालु मेला स्थल से सुखद अनुभव लेकर लौटें। मेला क्षेत्र में व्यवस्था और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। मेला शांति व श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हो सके।

खबर संक्षेप

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सांझा स्वदेशी बाजार को लेकर कार्यकर्ताओं से बातचीत की।

17 से थीम पार्क में सांझा स्वदेशी बाजार चलेगा

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत ही थीम पार्क में सांझा स्वदेशी बाजार सजेगा। इस सांझे स्वदेशी बाजार का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को सेक्टर 7 आवास कार्यालय पर सांझा स्वदेशी बाजार के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में सांझा स्वदेशी बाजार का आयोजन बडे स्तर पर किया जा रहा है।

गोल्डन पार्क के पास से नशा तस्कर को पकड़ा

पानीपत। समालखा चौकी पुलिस टीम ने गोल्डन पार्क के पास नशा तस्करी के आरोप में विक्की पुत्र कृष्ण निवासी चुलकाना रोड को गिरफ्तार किया। पुलिस ने विक्की के पास से 260 ग्राम गांजा बरामद किया है। समालखा चौकी इंचार्ज एएसआई अनिल ने बताया कि आरोपी विक्की के खिलाफ थाना समालखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानीपत गौरव अवार्ड कार्यक्रम 25 को

पानीपत। हरियाणवीं लोक कला एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार को समर्पित प्रदेश की अग्रणी संस्था दादा लख्मीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट पानीपत द्वारा आने वाली 25 अक्टूबर को एसडी कॉलेज में नैना शर्मा नृत्य उपासक किन्नर डेरा के सानिध्य में पानीपत गौरव अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने दी।

फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश के युवक ने आत्महत्या की

पानीपत। पानीपत के पुराना औद्योगिक क्षेत्र में युवक ने फैक्ट्री के गोदाम में 34 वर्षीय अशोक कुमार मूल निवासी फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश हाल निवासी गंगाराम कॉलोनी, पानीपत ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुराना औद्योगिक थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। शव पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है।

यमुनानगर: शहर के हमीदा क्षेत्र में पुरानी लकड़ मंडी की घटना

टिंबर फैक्टरी में लगी भयंकर आग से लाखों का सामान राख

करीब 11 घंटे की मशक्त के बाद दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

शहर के हमीदा क्षेत्र में पुरानी लकड़ मंडी स्थित जीटीबी टिंबर फैक्ट्री में बीती रात अचानक भीषण आग लग गई। दमकल विभाग की दर्जनों गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर करीब 11 घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से फैक्ट्रर में लकड़ी, मशीनरी व तैयार माल जलकर राख हो गया।

रात करीब डेढ़ बजे कर्मचारियों ने धुआं निकलता देखा

आग लगने का कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण फैक्ट्री में आग लगी है। फैक्ट्री मालिक प्रिंस ने बताया कि रात करीब डेढ़ बजे फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों ने धुआं निकलता देखा। उन्होंने पहले अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन आग तेज गति से भभकने लगी। कर्मचारियों ने उन्हें फोन पर घटना के बारे में बताया।

> ▶▶ *आग से फैक्ट्री के एक तरफ का शेड भी जलकर नीचे गिर गया। फैक्ट्री में पड़ा लकड़ी, मशीनरी व तैयार माल जलकर राख हो गया। आग लगने का कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।*

यमुनानगर। पुरानी लकड़ मंडी स्थित जीटीबी टिंबर फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी।

दमकल गाड़ियां 90 बार पानी लेने गईं

सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा मगर तब तक आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई थी। उसने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की दर्जनों गाड़ियां ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। फैक्ट्री में फैली आग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दमकल विभाग की गाड़ियों को करीब 90 बार गाड़ियों में पानी भरकर लाना पड़ा। रात को डेढ़ बजे लगी आग पर शनिवार दोपहर तक काबू पाया जा सका। फैक्ट्री मालिक ने बताया कि आग से फैक्ट्री के एक तरफ का शेड भी जलकर नीचे गिर गया। फैक्ट्री में पड़ा लकड़ी, मशीनरी व तैयार माल जलकर राख हो गया। आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

हमारी संस्कृति की जड़ है लोक कला: उपेन्द्र सिंघल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा नीति शास्त्र दर्शनशास्त्र केंद्र, संग्रहालय एवं पुस्तकालय, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग तथा स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय लोक कला कार्यशाला के तीसरे दिन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, केडीबी सदस्य अशोक रोशा व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान व लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कार्यशाला का अवलोकन किया व प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर केडीबी मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल ने कहा कि लोक कला हमारी संस्कृति की जड़ है, जो समाज को उसकी पहचान से जोड़ती है। आधुनिक युग में जब पश्चिमी प्रभाव बढ़ रहा है, तब ऐसी कार्यशालाएँ युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनती हैं।

कलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ें: प्रो. महासिंह पूनिया

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि लोक कला मात्र अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन दर्शन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सदैव ऐसे आयोजनों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन के लिए प्रयासरत है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इन कलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर नवाचार का मार्ग प्रशस्त करें, ताकि युवा पीढ़ी परंपरा और आधुनिकता का समन्वय स्थापित कर सके। कार्यक्रम के आरंभ में भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा सेंटर की निदेशक प्रो. शुचिस्मिता ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया।

दो महीने से नहीं मिला वेतन टोल प्लाजा पर की नारेबाज़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घरौंडा

नेशनल हाइवे पर स्थित पर शनिवार को सुरक्षा कर्मियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। करीब दो दर्जन सिक्योरिटी गार्डों ने दो महीने से वेतन न मिलने के विरोध में बसताड़ा टोल प्लाजा पर नारेबाज़ी की और कंपनी प्रबंधन पर शोषण का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना मिलते ही की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। कर्मचारियों ने बताया कि वे बीते दो महीनों से वेतन न मिलने के कारण आर्थिक संकट में हैं। बार-बार कंपनी से संपर्क करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। विरोध कर रहे गार्डों ने पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि न सिर्फ वेतन समय पर नहीं दिया जा रहा बल्कि तयशुदा वेतन भी पूरी राशि में नहीं मिलता। कई बार अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें करने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है।

पुलिस ने स्थिति को संभाला

विरोध के दौरान टोल प्लाजा के अधिकारी मौके से नदारद हो गए, जिससे गार्डों का गुस्सा और बढ़ गया। बाद में कर्मचारियों ने डायल 112 को बुलाकर अपनी शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस टीम ने कर्मचारियों और कंपनी प्रबंधन के बीच बातचीत करवाई। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद बीआरजी कंपनी के निदेशकों ने आश्वासन दिया कि आगामी सोमवार तक सभी कर्मचारियों का बकाया वेतन जारी कर दिया जाएगा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय पर वेतन जारी नहीं हुआ तो वे टोल प्लाजा पर बड़ा आंदोलन करेंगे।

कुरुक्षेत्र में तैनात एएसआई को अफीम तस्करी में बरेली पुलिस ने पकड़ा

कुरुक्षेत्र। उत्तर प्रदेश की बरेली जिला पुलिस ने कुरुक्षेत्र में तैनात एएसआई को नशा तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रण सिंह के रूप में हुई है। बरेली की पुलिस ने तस्करी में एएसआई के 3 साथियों को भी काबू किया है। यूपी पुलिस ने चारों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। बरेली पुलिस ने 8 अक्टूबर को बरेली के सिरौली कस्बा के चौराहे पर चेकिंग के दौरान हरियाणा नंबर की क्रेटा कार को रोकने की कोशिश की। कल्याणपुर तिराहे पर बरेली पुलिस ने गाड़ी को घेर लिया।

उप्र पुलिस ने किया खुलासा

बरेली पुलिस ने कार में सवार करनाल के ललैज गांव के रण सिंह, ज्योतिसर के मेहरबान, मोहम्मद हसन और करनाल के बरसालू गांव के योगेश कुमार को पकड़ा। तलाशी लेने पर कार से पुलिस को 360 ग्राम अफीम, 6 मोबाइल, एक सोने की चेन, एक कड़ा, 2 घड़ी व अंगूठियां और करीब 51 हजार कैश बरामद हुआ। बरेली पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह यूपी से अफीम खरीद कर हरियाणा में बेचते थे। रण सिंह थाना केयूके के अंतर्गत आनी वाली ज्योतिसर चौकी में एएसआई के पद पर तैनात है।

फैक्ट्री में युवा कर्मचारी की हत्या, शरीर पर चोंट के निशान

पानीपत। पानीपत की काबड़ी रोड स्थित बालाजी फैक्ट्री में 26 वर्षीय अरूण निवासी मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश का शव बरामद हुआ है। वहीं अरूण के सिर व अन्य अंगों पर चोट के निशान है। इधर, सूचना पर पुराना औद्योगिक थाना पुलिस फैक्ट्री पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने एफएसएल की टीम से भी शव व घटनास्थल की जांच करवाई। जांच में मौत संदिग्ध मानी गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया और उसके परिजनों को घटना की सूचना देकर पानीपत बुलवाया है। वहीं, पुराना औद्योगिक थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि अरूण की मौत के सही कारण जानने के लिए उसके शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। वहीं पोस्टमार्टम की रिपोर्ट व इस केस की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए

कई गांवों के जोहड़ों एवं बावड़ियों को देखा

सांसद नवीन जिन्दल तलाश रहे जोहड़ों के रखरखाव और गंदे जल की निकासी को दुरुस्त करने के लिए संभावनाएं

प्रसिद्ध संरक्षण विशेषज्ञ फरहाद कॉन्ट्रैक्टर एवं सुश्री स्मृति सिंह और नवीन जिन्दल फाउंडेशन टीम ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के गांवों में जोहड़ों के रखरखाव और गंदे जल की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने फरहाद कांट्रेक्टर एवं उनकी टीम जो भारत के छह राज्यों में सामाजिक परिवर्तन के लिए समुदायों के साथ पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित और मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं, को गांवों में जल निकासी, जोहड़ों की सफाई और जल संरक्षण को व्यवस्थित ढांचे में लाने के लिए स्टडी करने को कहा है ताकि क्षेत्र के जोहड़ो को दुरुस्त कर जल संरक्षण और पर्यावरण संबंधी समस्याओं से स्थायी समाधान मिल सके। इसी सिलसिले में संयुक्त टीम ने गांव समानी, जिरबड़ी, खानपुर कोलियां और ईशरगढ़ में जोहड़ व बाबा लक्खी शाह बंजारा की बावड़ी पर पहुंचकर योजना पर विचार विमर्श किया।

टीम ने स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से चर्चा की

टीम ने ग्रामीणों से बातचीत कर गंदे पानी की निकासी, जोहड़ों के ओवरफ्लो और जल प्रबंधन से जुड़ी संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए फरहाद कांट्रेक्टर और स्मृति सिंह ने स्थल निरीक्षण कर गंदे पानी की रीसाइक्लिंग, तालाब पुनर्जीवन और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि जोहड़ों के रखरखाव के साथ-साथ यदि गंदे पानी का सही प्रबंधन किया जाए तो यह ग्रामीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। इस अवसर पर संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि यदि गांवों में गंदे पानी की निकासी और पुनः उपयोग की व्यवस्था को वैज्ञानिक ढंग से किया जाए, तो गांवों की सफाई, जलभराव और बीमारियों जैसी अनेकों समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सांसद जिन्दल का प्रयास है कि प्रत्येक गांव में स्थायी जल प्रबंधन मॉडल तैयार किया जाए, जिसमें ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो। इस अवसर पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन टीम के भूषण मंगला, डॉ. राज कुमार, सरपंच पवन कुमार और जिरबड़ी सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महाराजा अग्रसेन जयंती पर कार्यक्रम आज

करनाल। अग्रकुल सेवा संस्था की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आज करनाल के मंगलसेन सभागार में भव्य "अग्र लीला" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 5:30 बजे दीप प्रज्जवलन के साथ शुरू होगा।मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र संघचालक उत्तर क्षेत्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पवन जिंदल शिरकत करेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में उत्तराखंड के पूर्व डीजीपी अशोक कुमार, समाजसेवी प्रवीण गर्ग, मेयर रेणु बाला गुप्ता व विधायक जगमोहन आनंद उपस्थित रहेंगे।

किसान विज्ञान संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने दी सलाह

करनाल। किसान वेलफेयर क्लब की ओर से डीडीए कार्यालय में किसान विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता ईलम सिंह गोरसी ने की। महासचिव विजय कपूर ने किसानों के साथ धान की फसल की औसत पैदावार और मंडी दामों को लेकर चर्चा की। उपप्रधान हरप्रीत सिंह ने किसानों से अपील की कि वे पराली न जलाएं। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डा. महा सिंह जागलान ने किसानों को सलाह दी कि इस समय फसल में किसी भी कीटनाशक या फफूंदनाशक का प्रयोग न करें। उन्होंने सरसों और गेहूं की बिजाई के लिए उपयुक्त बीज, बीज उपचार और खाद की जानकारी दी।

क्षेत्रीय युवा महोत्सव 13 से 15 अक्टूबर तक

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में 13, 14 व 15 अक्टूबर को आयोजित होने वाले क्षेत्रीय युवा महोत्सव की तैयारियां जोरो के साथ चल रही हैं। इस आयोजन का संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के मूल्यवान मार्गदर्शन में किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार उत्सव का उद्घाटन करेंगे और विधायक राम कुमार कश्यप विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। युवा महोत्सव में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य, संगीत में अपनी छटा बिखेरेंगे। नाटक, फाइन आर्ट्स, साहित्यिक गतिविधियों और अन्य प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

दिवाली से पहले 250 पेटी अवैध पटाखे बरामद

करनाल। असंध थाना क्षेत्र के गांव बाहरी में पुलिस ने दीवाली से पहले बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखों के भंडारण का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव का एक निवासी अपने घर में भारी मात्रा में पटाखे जमा कर रहा है। इस पर असंध थाना प्रभारी नसीब सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात छापेमारी की और मौके से करीब 200 से 250 पेटियों में भरे पटाखे बरामद किए। घर मालिक नरेंद्र पुत्र मांगेराम ने अपने घर में अवैध पटाखों का गोदाम बना रखा था। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में पटाखों का स्टॉक देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस ने सभी पेटियों को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया है।

साइबर ठगों ने व्यक्ति के खाते से निकाले 79 हजार रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने गांव छोटा बांस निवासी प्रवीण कुमार के अकाउंट से 79 हजार रुपये निकाल लिए। आरोपियों ने फोन पे कंपनी का कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर प्रवीण के मोबाइल पर फोन किया था। आरोपियों ने उसे विश्वास में लेकर उसके अकाउंट से रुपये निकाल लिए।गांव छोटा बांस निवासी प्रवीण कुमार ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 16 जुलाई को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को फोन पे कंपनी का कस्टमर केयर कर्मचारी बताया। इस दौरान आरोपी ने उसे बातों में उलझा कर उसके पास एक लिंक भेजा। जब उसने लिंक पर क्लिक किया तो उसके अकाउंट से पैसे निकलने का मैसेज आया। आरोपियों ने उसके अकाउंट से 79 हजार रुपये निकाल लिए। जब उसने अकाउंट से पैसे निकलने का मैसेज देखा तो उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई।

उपमंडलाधीश अधिकारी नरेंद्र कुमार ने दी जानकारी

बाजारों में पटाखों की बिक्री पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

प्रदूषण मुक्त एवं सुरक्षित दीपावली पर्व मनाए जाने के लिए प्रशासन द्वारा रादौर कस्बा के भीड़ भरे बाजारों में पटाखों और आतिशबाजी की बिक्री पर पूर्ण रुप से प्रतिबंध लगा दिया है। रादौर के उपमंडलाधीश नरेंद्र कुमार ने बताया कि रादौर के भीड़ भरे बाजारों में पटाखों और आतिशबाजी की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया हैं। यह प्रतिबंध दीपावली के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान और आगजनी जैसी सम्भावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऐहतियात के तौर लागू रहेगा। दीपावली के अवसर पर वायु गुणवत्ता के मध्यनजर उपमंडल रादौर के कार्यक्षेत्र में ग्रीन आतिशबाजी व पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी बूथ व अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे।

15 स्टॉल व स्थान निर्धारित किए

एक्सप्लोसिव एक्ट 2006 के नियम 84 व 88 के तहत आदेश जारी करके निर्धारित आतिशबाजी व पटाखों की बिक्री के लिए रादौर में अस्थायी बूथ व स्टॉल निर्धारित किए गए हैं। एसडीएम नरेंद्र कुमार ने बताया कि आतिशबाजी व पटाखों की बिक्री के लिए खेल परिसर नजदीक महाराणा प्रताप पार्क रादौर में 15 स्टॉल व स्थान निर्धारित किए गए हैं। उपमंडलाधीश नरेंद्र कुमार ने पटाखा विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति आतिशबाजी, पटाखे व विस्फोटक पदार्थ बिना लाइसेंस व बाजार के भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पटाखों व विस्फोटक पदार्थों की बिक्री व संचय नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक व्यक्ति आतिशबाजी व पटाखों की बिक्री के लिए अस्थायी लाइसेंस बनवाने के लिए 13 अक्तूबर से 16 अक्तूबर तक दोपहर 12 बजे तक उपमंडलाधीश रादौर के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

यमुनानगर। रादौर में अपने कार्यालय में पटाखों की बिक्री से संबंधित जानकारी देते हुए एसडीएम नरेंद्र कुमार।

अस्थायी लाइसेंस 18 से 20 अक्टूबर तक जारी होंगे

एसडीएम नरेंद्र कुमार ने बताया कि रादौर उपमंडल में ग्रीन आतिशबाजी व पटाखों की बिक्री के लिए निश्चित किए गए स्टॉलों के अनुसार अस्थायी लाइसेंस के लिए 18 अक्तूबर से 20 अक्तूबर तक पटाखे विक्रय हेतु उपमंडलाधीश रादौर के कार्यालय में अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त निर्धारित स्थानों पर निश्चत किए गए स्टॉलों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर कार्यालय द्वारा ड्रॉ के माध्यम से परिणाम घोषित किया जाएगा।

भाजपा युवा मोर्चा ने जगाधरी में चलाया स्वच्छता अभियान

पर्यावरण सुरक्षा के लिए वातावरण को रखें स्वच्छ

पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने सफाई करके अभियान का किया शुभारंभ

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने सभी से अनुरोध किया कि अपने घर व दुकान से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग कर डस्टबिन में ही डालें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के सदस्यों ने जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करके लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा करने के लिए जागरुक किया। अभियान में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल व निगम की मेयर सुमन बहमनी ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निशचल चौधरी ने की। मौके पर पौधारोपण भी किया गया।

मुख्यातिथि एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि कुछ लोग अपने घर व अपनी दुकान को साफ करके कचरा बाहर सड़कों व गलियों में खुला फेंक देते हैं। जिससे गंदगी फैलती है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि अपने घर व दुकान से निकलने वाले कचरे को अलग अलग कर डस्टबिन में डालें। गीले कचरे से खाद तैयार करें और सूखे कचरे को निगम के वाहन में डालें। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक के बेकार सामान, पुरानी किताब, कापी व अन्य सामान को कबाड़ी या रद्दी वाले को देना चाहिए। खुले में गंदगी डालकर अपने शहर को गंदा न करें। अपने शहर को जीरो वेस्ट बनाने का कार्य करें।

यमुनानगर। जगाधरी में आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

शहर को कचरा मुक्त बनाएंगे : सुमन

मौके पर नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि पूरे निगम क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। ताकि शहर को कचरा मुक्त बनाया जा सके व पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी ने बताया कि हरियाणा प्रदेश में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में नगर निगमों में प्रदेश स्तरीय स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जगाधरी में युवा मोर्चा द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

ये रहे मौजूद

मौके पर भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह राणा,पार्षद व मंडल अध्यक्ष जगाधरी प्रियांक कुमार शर्मा,जगाधरी ग्रामीण अध्यक्ष कृष्ण खदरी,पार्षद भानू राणा,भाजपा जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग आदि मौजूद रहे।

खेल महाकुंभ का आयोजन

कबड्डी में सीआरसी गुंदियाना की टीम ने हासिल किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्यालवा में ब्लॉक लेवल अंडर-11 खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। अवार्ड सेरेमनी में मुख्यातिथि के रुप में जिला परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद ठसका ने भाग लिया। मुख्यातिथि व खंड शिक्षा अधिकारी करनैल सिंह संधावा ने खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। खेल महाकुंभ में ब्लॉक सरस्वती नगर के कुल आठ क्लस्टर की टीमों ने भाग लिया।

प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार संधावा ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता में सीआरसी गुंदियाना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, सीआरसी सारण की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर मुख्यातिथि एवं जिला परिषद अध्यक्ष रमेश चंद ठसका ने विद्यालय को पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी करनैल सिंह संधावा ने कहा कि खेलों में हार जीत का कोई महत्व नहीं होता है। बल्कि खेलों में भाग लेना ही सबसे बड़ी जीत होती है। इस अवसर पर ब्लॉक के सभी प्रधानाचार्य व विभिन्न गांव से आए हुए सरपंचों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मंच संचालन प्राध्यापक सुरेंद्र कुमार संधावा ने किया। मौके पर हसला जिला प्रधान विनोद सैनी, सुखदेव सैनी, मनोज सैनी, बलविंद्र कुमार, इंद्रवीर सिंह, कपिल मल्होत्रा, नवीन धीमान, जितेंद्र शर्मा व रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर(गांव स्यालवा में आयोजित खेल महाकुंभ में पुरस्कार प्राप्त कर अतिथियों के साथ खुशी मनाते हुए विजेता टीम के खिलाड़ी।

चोरों ने घर में घुसकर नकदी और आभूषणों पर किया हाथ साफ

यमुनानगर। गांधीनगर थाना क्षेत्र की बसंत विहार कॉलोनी में चोरों ने रात को घर में घुसकर 12 हजार रुपये की नकदी तथा लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बसंत विहार कॉलोनी निवासी बेबी सैनी ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि नौ अक्टूबर को रात नौ बजे वह परिवार के सदस्यों के साथ खाना खाने के बाद घर पर सो गई थी। सुबह जब उसकी आंख खुली तो घर में सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से अलमारी में रखे 12 हजार रुपये, सोने की दो अंगूठियां, एक जोड़ी चेन, चार चांदी की चुकटियां, एक चांदी की अंगूठी तथा अन्य सामान गायब था । उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

बाइक सवार दो युवकों ने बुजुर्ग महिला के कानों से झपटी सोने की बालियां

यमुनानगर। जिले के कस्बा बूड़िया में में बाइक सवार दो युवको ने घर के बाहर बैठी बुजुर्ग महिला के कानों से सोने की बालियां झपट ली। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गए । पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव बूड़िया निवासी रोशन लाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 10 अक्टूबर को दोपहर एक बजे उसकी मां 85 वर्षीय शीला देवी घर के बाहर बैठी हुई थी। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसके कानों से सोने की बालियां झपट ली और मौके से फरार हो गए। उसकी मां के शोर मचाने पर जब वह घर से बाहर आए तो उन्होंने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी भागने में कामयाब हो गए। उसने बताया कि सोने की बालियों की कीमत 40 हजार रुपये है। उसने घटना की सूचना पुलिस को दी।

20 अक्टूबर को मनेगी दिवाली

प्रदोष काल व स्थिर लगन में लक्ष्मी व गणेश की पूजा करना फलदायी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

दीपावली पर्व को लेकर जिले भर में जहां तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं, दीपावली पर्व 20 या 21 अक्तूबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर लोगों में संशय बना हुआ है। इस संबंध में रादौर विश्वकर्मा मंदिर के पुजारी अवध बिहारी पांडे ने इस वर्ष 20 अक्तूबर को दीपावली पर्व मनाए जाने की बात कही है।

पुजारी अवध बिहारी पांडे ने बताया कि 20 अक्तूबर को दीपावली का त्योहार मनाया जाना शुभ है। क्योंकि कार्तिक अमावस्या तिथि का शुभारंभ सोमवार 20 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा और तिथि का समापन 21 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 55 मिनट पर होगा। इसलिए दीपावली पर्व 20 अक्तूबर को ही मनाया जाना उचित है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व पर 20 अक्तूबर को लक्ष्मी गणेश पूजन का सबसे शुभ समय शाम 7 बजकर 8 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। इस अवधि को प्रदोष काल और स्थिर लग्न का संयोग कहा गया है। जो मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम माना जा रहा है। वहीं 21 अक्क्तूबर को गोवर्धन पूजा व 23 अक्तूबर को भाई दूज का त्योहार मनाया जायेगा। दीपावली की शाम लक्ष्मी पूजन करने के लिए ईशान कोण या उत्तर दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। पूजा के स्थान की साफ. सफाई कर स्वास्तिक बना लें। उसके बाद एक कटोरी में चावल रखें। लकड़ी को चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।

पुजारी अवध बिहारी पांडे।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने बनाए आकर्षक मॉडल

यमुनानगर। गांव सलेमपुर खादर स्थित बीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता और स्वादिष्ट व्यंजन स्टॉल का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में यमुनानगर से साइंस अध्यापक दर्शन लाल बवेजा व रिटायर्ड प्रिंसिपल बलबीर सिंह उपस्थित हुए। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने बहुत ही सुंदर व आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा तीसरी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में बच्चों ने क्लीन सिटी, स्मार्ट सिटी, सोलर ऊर्जा, बिजली बनाने के संयंत्रों समेत अन्य मॉडल प्रस्तुत किए। कक्षा नौवीं के विद्यार्थी रूद्र ने पुराने समय में बसे गांव व आधुनिक तरीके से बसे शहरों में अंतर को दिखाया। जिसमें बताया गया कि पहले समय में किस प्रकार से कच्चे घर और कच्चे रास्ते हुआ करते थे। वाहनों की कम संख्या होने से पर्यावरण प्रदूषण न के बराबर था। परंतु आधुनिक युग में औद्योगिक क्षेत्र तथा वाहनों की संख्या बढ़ने से प्रदूषण बढ़ गया है। इससे बीमारियां भी बढ़ रही है। पांचवी की छात्रा नाविका सैनी ने आधुनिक स्कूल का मॉडल बनाया। जिसमें उन्होंने स्कूल में दी जा रही आधुनिक तरीके से शिक्षा पद्धति का वर्णन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने सभी मॉडलों का अवलोकन किया।

बच्चों में छिपे हुनर को दिखाने का कार्य करेंगी बाल प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में 13 से 24 अक्तूबर तक यमुनानगर के बाल भवन में जिलास्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बाल प्रतियोगिताओं में बच्चों को अपने अंदर छिपे हुनर को दिखाने का मौका मिलेगा। जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष एवं उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि परिषद का मंच बच्चों के छिपे हुए हुनर को दिखाने और उन्हें नई दिशा देने का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य बच्चों में उनकी कला, संस्कृति, शिक्षा, हुनर और रचनात्मक गुणों को प्रस्तुत करने का अवसर देना है। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंडल एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी स्कूलों के प्रबंधकों, अध्यापकों व अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किए जाने के लिए आह्वान किया।

- उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बाल प्रतियोगिताओं की दी जानकारी

ये होंगी प्रतियोगिताएं

आठ दिवसीय प्रतियोगिताओं में समूह नृत्य, रंगोली, प्रश्नोत्तरी, देशभक्ति, समूह गान, एकल गायन, एकल नृत्य, एकांकी, सुंदर लेखन, भाषण, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, फैंसी ड्रेस, कार्ड मेकिंग, मोमबत्ती, दिया सजावट, पोस्टर मेकिंग, ड्रामेबाज, फन गेम जैसी विधाओं को शामिल किया गया है।

होली मदर पब्लिक स्कूल में इन हाउस टीचर्स ट्रेनिंग का आयोजन

रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने की शिक्षा दें : कौर

- कार्यक्रम में विषय प्रशिक्षक के रूप में जसविंद्र कौर ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क विषय पर इन हाउस टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय प्रशिक्षक जसविंद्र कौर ने टीचर्स को बच्चो गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा,बदलती हुई शैक्षिक प्रणाली के बारे जानकारी दी।

विषय प्रशिक्षक जसविंद्र कौर ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना और उसमें सुधार करना है। जिससे 3 से 18 वर्ष की आयु के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिल सके। यह विद्यार्थियों को रटने की बजाय रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच विकसित करने, 21वीं सदी के कौशल सीखने और भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जुड़ने पर केंद्रित है। एनसीएफ एक ऐसी समावेशी और लचीली शिक्षा प्रणाली स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। जो सभी की विविध आवश्यकताओं को पूरा करे और बदलती सामाजिक जरूरतों के अनुकूल हो। विषय विशेषज्ञ जसविंदर कौर ने इफेक्टिव कम्युनिकेशन, पॉजिटिव फीडबैक और पेरेंट एंगेजमेंट के महत्व को समझाया। उन्होंने उदाहरणों और केस स्टडीज के माध्यम से बताया कि कैसे खेल आधारित और गतिविधि आधारित शिक्षा, विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक और शारीरिक विकास को गतिशील बनाती हैं। इस अवसर पर सत्र के अंत में सभी टीचर्स ने लर्निंग आउटकम्स को अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। जिससे विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और 21वीं सदी के कौशल को बढ़ावा दिया जा सके। स्कूल की प्रधानाचार्या मोनिका ने बताया कि विद्यालय में समय समय पर टीचर्स ट्रेनिंग अलग अलग विषय पर करवाई जाती है। ताकि टीचर्स को नई टेक्नीक्स और एप्रोचेस से अवगत करवाया जा सके। विद्यालय के चेयरमैन जीएस शर्मा ने सभी टीचर्स को उनकी सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी।

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में आयोजित टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में टीचर्स को प्रशिक्षण देते हुए प्रशिक्षक जसविंद्र कौर।

छात्रों को एआई का ज्ञान होना जरूरी : पाहुलप्रीत

रादौर। ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी नाचरौन (रादौर) में शनिवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में डेटा साइंटिस्ट पाहुलप्रीत सिंह व रिलेशनशिप प्रबंधक अमन ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी बृजभूषण ने किया। संस्थान और मियेंडर सॉफ्टवेयर कंपनी मोहाली के बीच एमओयू साइन किया गया। मुख्य वक्ता एवं डेटा सांइटिस्ट पाहुलप्रीत सिंह ने विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान होना जरुरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की मूल अवधारणाएं, न्यूरल नेटवर्क्स, डेटा प्रोसेसिंग, एआई टूल्स तथा वास्तविक जीवन में एआई के उपयोग जैसे प्रमुख विषयों पर जानकारी दी।

बैंक निदेशक मंडल की बैठक में 29 प्रस्ताव पारित

रादौर। दी यमुनानगर केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक का आयोजन बैंक के चेयरमैन कार्यालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता बैंक के चेयरमैन धर्म सिंह बंचल ने की। मौके पर बैंक के जीएम अभिषेक वत्स भी मौजूद रहे। बैंक के चेयरमैन धर्म सिंह बंचल ने बताया कि निदेशक मंडल की बैठक में 30 प्रस्ताव रखे गए। जिनमें से 29 प्रस्ताव पास किए गए। इस दौरान बैठक में बैंक के सभी 252 कर्मचारियों को दीपावली पर 31-31 हजार रुपये का इंसेंटिव दिए जाने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से बैंक का लगभग 70 लाख रूपये खर्च होगा। उन्होंने बताया कि बैंक के आज तक के इतिहास में उनकी अध्यक्षता में दूसरी बार सभी कर्मचारियों को इंसेंटिव दिया गया। चेयरमैन धर्म सिंह बंचल ने बताया कि वर्ष 2023 में उन्होंने सभी कर्मचारियों को एक एक महीने का अतिरिक्त वेतन दीपावली पर दिया गया था। मौके पर सभी कर्मचारियों ने इसके लिए चेयरमैन धर्म सिंह बंचल व बैंक के निदेशकों का हार्दिक आभार प्रकट किया है। इस अवसर पर निदेशक मंदीप कंडेला, राजपाल बटेहडी, रमा देवी, कुसुम राणा, मनमोहन सिंह खदरी, विनोद गुप्ता, विनोद कांबोज कांजनू, अर्जुन सिंह रंजीतपुर, सुखदेव सिंह कैल, सुनील सीए, हरको बैंक चंडीगढ़ के जीएम दिनेश कौशिक, मनीष साहनी इंचार्ज लोन विभाग, गुरमेज सैनी स्थापना अधिकारी, व सुशील शर्मा विकास अधिकारी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

वाई पूरण कुमार के दोषियों को मिले सजा

कुरुक्षेत्र। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एडवोकेट मधुसूदन बवेजा ने कहा कि एडीजीपी वाई

पूरण कुमार की आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और मामले में शामिल दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। बवेजा ने कहा कि आईपीएस वाई पूरण कुमार की आत्महत्या ने सारे समाज और देश की आत्मा को झकझोर दिया है। कहा कि सरकार मामले में लीपापोती करने का काम कर रही है। आईपीएस अधिकार का किस प्रकार उत्पीड़न किया गया। उसके परिवार को नजरबंद कर दिया गया है। मीडिया को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

सामजिक आयोजनों से बढ़ता है भाईचारा

लाडवा। लाडवा शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामजिक संस्था रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब की तरफ से 16वें दिवाली मेले का आगाज हुआ। प्रोजेक्ट चेयरमैन अंकुर गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों क्लबों की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय दिवाली मेले के पहले दिन शिवाला रामकुण्डी परिसर में करवा चौथ का त्यौहार मनाया गया जिसका शुभारम्भ जीआरएम फूड्स के चेयरमैन समाजसेवी प्रदीप गर्ग ने रिबन काटकर व दीप प्रजवलित करके किया।

शिविर में 115 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य लाभ

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल की फाउंडेशन की ओर से गांव सारसा में मेडिकल कैंप एवं सांसद खेल महोत्सव रजिस्ट्रेशन शिविर लगाया गया। इसमें डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में टीम ने 97 लोगों का मेडिकल चेकअप करने के बाद उन्हें दवाई दी। जबकि 18 लोगों के लैब टेस्ट किए गए। नवीन संकल्प शिविर के दौरान कई आवेदन यशस्वी योजना से संबंधित शिविर में पहुंचे। सांसद नवीन जिंदल के निदेर्शानुसार शिविर में सैंकड़ों लोगों के सांसद खेल महोत्सव के लिए रजिस्ट्रेशन भी किए गए।

लिफ्ट लेकर बाइक चोरी करने का आरोपित काबू

जींद। सदर थाना पुलिस ने गांव तलौडा के निकट बाइक चोरी करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरीशुदा बाइक को बरामद किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव खेड़ा खेमावती निवासी प्रदीप ने गत 13 सितंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह बाइक पर सवार होकर अपनी रिश्तेदारी में गांव झांज कलां जा रहा था।

वाकल फॉर लोकल का संकल्प जन-जन तक पहुंचाएं

लिटिल मिलेनियम में स्वदेशी सामान को किया प्रदर्शित

बच्चों और अभिभावकों को स्वदेशी खरीदने का दिया संदेश

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर परमिंदर बाठ ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर वोकल फॉर लोकल का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को आत्मनिर्भर बनाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत कुरुक्षेत्र के सेक्टर 3 में स्थित लिटिल मिलेनियम स्कूल में हस्तनिर्मित वस्त्र, दियों, सजावट और दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुओं का स्वदेशी मेला लगाया गया है। इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना था। आज विद्यालय परिसर में आयोजित पेरेंट्स टीचर मीटिंग के दौरान पहुंचे अभिभावकों ने विद्यालय की स्वदेशी अपनाओ मुहिम की जमकर सराहना की। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर परमिंदर बाठ ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर वोकल फॉर लोकल का उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को आत्मनिर्भर बनाना है। लिटिल मिलेनियम में आयोजित स्वदेशी मेले ने भारतीय परंपरा, संस्कृति को न केवल मंच प्रदान किया, बल्कि छोटे कारीगर और युवाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी।

कुरुक्षेत्र। स्वदेशी सामान खरीदते अभिभावक।

स्वदेशी उत्पाद अपनाने का किया आह्वान

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर परमिंदर बाठ ने सभी नागरिकों से अपील की कि स्थानीय उत्पादों को अपनाएं, अपने आस-पास के निमार्ताओं का समर्थन करें, यही सच्ची राष्ट्र सेवा है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पहुंचे उपभोक्ता फोरम करनाल के जज सरदार जसवंत सिंह, शिक्षा विभाग हरियाणा पूर्व निदेशक रंजीत सिंह, वार्ड 13 के पार्षद दुष्यंत बक्शी, फ्लाइट लेफ्टिनेंट करमबीर सिंह, वारंट ऑफिसर महेंद्र सिंह छोककर, हरिदत्त शर्मा, आरडब्ल्यूए सेक्टर 3 के प्रधान रिंकू सैनी, सूबेदार रविंदर कौशिक, मार्किट प्रधान बिट्टू सैनी, शिव मंदिर के प्रधान जोगिंदर, राजिंदर सैनी आदि का विद्यालय प्रबंधन की ओर से अभिनंदन किया। सभी ने अभिभावकों से विद्यालय की इस मुहिम की जमकर सराहना की। स्वदेशी मेले का अवलोकन करने उपरांत सभी अतिथियों ने एकजुट होकर अपील करते हुए कहा कि इससे के स्थानीय उत्पाद अपनी पहचान बनाएंगे, यही इस मेले की सफलता होगी। इस मौके पर विद्यालय की निदेशक चेष्टा सलूजा, प्रिंसिपल सुनीता रानी, चीफ लर्निंग ऑफिसर ज्योति खनेजा व अन्य सभी स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया को तुरंग गिरफ्तार करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आल इंडिया अम्बेडकर महासभा की प्रदेश अध्यक्षा रीना वाल्मीकि ने कहा कि आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में हरियाणा सरकार ने मामले को रफा दफा करने के उद्देश्य से नामित अधिकारियों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति (अत्याचार निवारण) कानून के तहत खोखली एफआईआर तो दर्ज करवा दी, किंतु कानून में निहित प्रावधानों की बुरी तरह से अवहेलना की गई है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून की संशोधित धारा 18-अ के अनुसार इसमें बिना किसी जांच व सक्षम अधिकारी की बिना अनुमति के तुरंत गिरफ्तारी का प्रावधान कर दिया गया है और इसमे अग्रिम जमानत का भी प्रावधान समाप्त कर दिया गया है।

बीजेपी दलितों का उत्पीड़न कर बाबा साहेब की विचारधारा को कुचलने का काम कर रही

रीना ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस एक्ट के प्रावधानों की अवहेलना कर उन दोषी अधिकारियों को बचाने के लिए कर रही है। इससे सिद्ध होता है कि बीजेपी दलितों का उत्पीड़न कर बाबा साहेब की विचारधारा को कुचलने का काम कर रही है। आल इंडिया अम्बेडकर महासभा ने कानून में निहित प्रावधानों के तहत डी.जी.पी. शत्रुजीत कपूर और रोहतक एस.पी. नरेंद्र बिजारणिया की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। रीना वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक विधवा महिला अमनीत पी. कुमार के साथ धोखा- धड़ी कर के देश के करोड़ों दलितों की भावना पर ठेस पहुंचाई है।

16 एवं 17 को इंटरनेशनल एनीमेशन डे का होगा आयोजन

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में 16 एवं 17 अक्टूबर को इंटरनेशनल एनीमेशन डे का आयोजन संस्थान के सभागार में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन ग्राफिक्स एंड एनिमेशन कोर्स के सहायक प्रोफेसर राहुल अरोड़ा,सहायक प्रोफेसर मोनिका दुआ संयुक्त रूप से करेंगे। प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने बताया कि इंटरनेशनल एनीमेशन डे इस दो दिवसीय कार्यक्रम में ग्राफिक्स एंड एनिमेशन के विद्यार्थियों की रचनात्मकता प्रतिभा को मंच देना है जिसके तहत विद्यार्थी 2डी एनिमेशन, 3डी एनिमेशन, आर्ट प्रदर्शनी, रील मेकिंग, शार्ट एनीमेशन फिल्म, फेस पेंटिंग, हैंडमेड पोस्टर, डिजिटल पोस्टर, एक्सपेरिमेंटल आर्ट, मिस क्रिएशन इत्यादि प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

स्टैज्स को मैनेज करने के विभिन्न उपायों पर कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। बी.आर. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सी.बी.एस.ई. कैपेसिटि बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत स्टैज्स मैनेजमेंट विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में रिसोर्स पर्सन में कनिका आनंद प्रिंसीपल, महर्षि विद्या मंदिर, जींद तथा श्रीमती सोनू शर्मा वाईस-प्रिंसीपल, इंडियन पब्लिस स्कूल, राढौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। सैशन के प्रारंभ में श्रीमती कनिका आनदं ने प्रतिभागियों से स्टैज्स के विभिन्न कारणों पर विस्तार से चर्चा की। सोनू ने स्टैज्स को मैनेज करने के विभिन्न उपायों पर विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में कुरुक्षेत्र के इलावा पुंडरी, कैथल, नीलाखेड़ी, करनाल एवं जींद के विभिन्न विद्यालयों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला रोचक एवं ज्ञानवर्धक रही। संक्षेपतः इस कार्यशाला ने अध्यापकों के ज्ञान को अपडेट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन कमेटी के चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने उपस्थित रिसोर्स पर्सन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विज्ञान और नवाचार से कचरे का सदुपयोग विषय पर दिया व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में अपशिष्ट से धन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपेन्द्र सिंघल, मानद सचिव, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और विशिष्ट अतिथि अशोक रोशा, सदस्य, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड उपस्थित रहे। सिंघल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल स्वच्छता ही सेवा 5.0 के अंतर्गत शहर द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों को गति देती है और स्वच्छ भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाती है। इस अवसर पर दो लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गए। श्रीमती ममता पहवाल, पी.जी.टी. फाइन आर्ट्स, दिल्ली पब्लिक स्कूल ने विज्ञान और नवाचार से कचरे का सदुपयोग विषय पर व्याख्यान दिया और अपशिष्ट सामग्री से निर्मित कपड़े के बैग, ज्वेलरी और सजावटी उत्पाद प्रदर्शित किए।

कचरे से अवसर की सीख

बलवान, प्रभारी, श्रीकृष्ण संग्रहालय ने कचरा नहीं, एक अवसर है विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक दृष्टि से कचरे का पुनः उपयोग आय का स्रोत बन सकता है और समाज को स्वच्छता की दिशा में प्रेरित कर सकता है। परियोजना समन्वयक सुरेश कुमार सोनी ने कहा कि इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं।

इंदिरा गांधी कॉलेज में क्षेत्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन

कुलपति प्रो. ने किया शुभारंभ, विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, धनौरा-लाडवा में तीन दिवसीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव कुरुक्षेत्र जोन 2025 का उद्घाटन माननीय मुख्यातिथि प्रो. डॉ. सोमनाथ सचदेवा, कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कर कमलों द्वारा किया गया। दोपहर सत्र में मुख्यातिथि डॉ. विरेन्द्र पाल, रजिस्ट्रार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र रहे। कॉलेज परिसर में पांच समानांतर स्थानों पर लगे मंच से विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। समिति के प्रधान पवन गर्ग और प्रबंधक समितियों के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रो. डॉ.कुशल पाल, प्राचार्य सहित मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राचार्य, निर्णायक मंडल, प्रतिभागी दलों का सर्वप्रथम हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। कुलपति ने कॉलेज के संस्थापक स्व. ओम प्रकाश गर्ग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

लाडवा। मां सरस्वती के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभ आरंभ करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा।

संस्कृति में एकता

मुख्यातिथि प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 48वाँ जोनल यूथ फेस्टिवल कुरुक्षेत्र जोन की मेजबानी कर रहे इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज के प्रधान, प्रबंधक समिति के सदस्यों, प्राचार्य और स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्रीय युवा महोत्सव करवाने के दायित्व का अवसर कॉलेज को दूसरी बार प्राप्त हुआ है, जो संस्था की उत्कृष्ट सांस्कृतिक पहचान और आयोजन क्षमता का प्रमाण है। मुख्यातिथि ने कहा कि हमारे राष्ट्र के लिए यह गर्व की बात है कि यहाँ विविधता होने पर भी एकता है। हरियाणा राज्य की संस्कृति राष्ट्र के मानचित्र पर अहम स्थान रखती है।

अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने दिखाए प्रतिभा के जौहर, लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

पिहोवा। अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों की प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। डायरेक्टर विपिन काहड़ा व वाइस प्रिंसिपल प्रवीण धमीजा के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन किया गया। बच्चों ने कोडेक्स प्रोसेसिंग डिवाइस, अपशिष्ट प्रबंधन, रॉकेट इंजन, हार्ट वर्किंग मॉडल और मानव नेत्र जैसे मॉडल्स प्रस्तुत किए। बाहरवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने सामाजिक जागरुकता पर आधारित एक नाटक अंधविश्वास से बचो का मंचन भी किया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। बच्चों द्वारा लगाए गए ब्लड टेस्ट स्टॉल ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जिसमें ब्लड ग्रुप पहचानने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप में दिखाया गया। चेयरपर्सन पूनम काहड़ा ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ाती है। एमडी जन्नत काहड़ा ने कहा कि विज्ञान के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। इस तरह के आयोजन से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे प्रयोग के माध्यम से सीखते हैं। समारोह के दौरान पेरेंट्स मीटिंग भी आयोजित की गई। इस मौके पर अध्यापिका श्रुति, मनीषा, अनीता, प्रिया, विनय, अनामिका और नेहा आदि का सहयोग रहा।

कुरुक्षेत्र में कानूनी जागरूकता की प्रदर्शनी

नए आपराधिक कानूनों के प्रति 30 हजार लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर तीन नए आपराधिक कानूनों के बदलाव के बाद सकारात्मक परिणामों को दिखाने वाली राज्य स्तरीय प्रदर्शनी ने प्रदेश के कोने कोने से आए लगभग 30 हजार लोगों के दिलों पर अनोखी छाप छोडी है। इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी को देखकर लोगों को ऑन लाइन शिकायत दर्ज करवाने से लेकर न्यायिक प्रक्रिया के हर पहलू को देखने और जानने का अवसर मिला। अहम पहलू यह है कि इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में कानूनी प्रक्रिया से जुड़े 7 विभागों के 10 स्टॉल में आधुनिकतम जानकारी व्यावहारिक ज्ञान के साथ दिखाने का अनोखा प्रयास किया है।

कुरुक्षेत्र। प्रदर्शनी देखने के लिए पहुंचे पुलिस कर्मी।

कानूनी प्रक्रिया की अनोखी प्रदर्शनी

हरियाणा गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक चलने वाली इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी पर विशेष फोकस रखा। जिसके परिणाम स्वरूप ही लगभग 30 हजार लोगों ने इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी को देखने में अपनी रुचि दिखाई है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र में तीन नए आपराधिक कानूनों की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के 30 मिनट के शो में कन्ट्रोल रूम में सूचना मिलने से लेकर अदालत की प्रक्रिया के अहम लम्हों को हूबहू दिखाने का अनोखा प्रयास किया गया है। इस अनोखे प्रयास को देखने के लिए हरियाणा के कोने-कोने से हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोग पहुंचे।

गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रातः स्मरण, एकात्मता मंत्र एवं एकात्मता स्त्रोत के श्लोकों का उच्चारण किया गया। शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। बौद्धिक सत्र महक का रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन के बारे में बताते हुए कहा कि व्यक्ति ,समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण ,स्व-बोध और नागरिक कर्तव्य आवश्यक है। स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना ही राष्ट्र प्रेम की सच्ची अभिव्यक्ति है। प्राचार्या सुमन बाला ने विषय को और अधिक स्पष्ट करते हुए बताया कि पंच परिवर्तन का अर्थ जीवन और समाज में पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। स्वयं का बोध पंच परिवर्तन के लिए अति आवश्यक है जब हमें स्व का बोध होगा तो सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य को हम अच्छे से पूर्ण कर पाएंगे तथा छोटे- छोटे सुधार के द्वारा बडे बदलाव ला पाएंगे।

नई योजनाएं किसानों की समृद्धि की दिशा में मजबूत कदम : सुरेश सैनी

कुरुक्षेत्र। थानेसर अनाज मंडी परिसर में आज किसानों, आढ़ती ,व्यापारी, कर्मचारियों और स्थानीय भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सीधा प्रसारण देखा। यह कार्यक्रम थानेसर मार्केट कमेटी के चेयरमैन सुरेश सैनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने आज देशभर के किसानों को समर्पित दो नई योजनाओं-प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दाल आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत की। इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आमदनी बढ़ाना, कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना और देश को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम के दौरान मंडी परिसर में बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी, जहां किसानों ने पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। थानेसर मार्केट कमेटी के चेयरमैन सुरेश सैनी ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई ये दोनों योजनाएं किसानों के कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

महाराजा सूरजमल वेलफेयर सोसाइटी कैथल का अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला में किया स्वागत

महाराजा सूरजमल सोसाइटी समारोह में समाज हुआ एकजुट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में महाराजा सूरजमल वेलफेयर सोसाइटी कैथल व जिला कैथल से आए जाट समाज के प्रमुख लोगों को लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता इंटरनेशनल जाट संस्था के प्रधान डॉ कृष्ण श्योकन्द ने की। धर्मशाला मे कैथल से भारी संख्या में महाराजा सूरजमल वेलफेयर सोसाइटी व जाट समाज के लोगों ने सिरकत की व अंतराष्ट्रीय जाट धर्मशाला की पूरी कार्यकारिणी ने बड़े सम्मान व आत्मीयता से स्वागत किया। इतना सम्मान पाकर सभी सदस्य प्रबुद्ध जन शिक्षाविद् ,नौजवान खुश नजर आये व इतने भव्य आयोजन के लिए संस्था के प्रधान कृष्ण श्योकन्द व पूरी कार्यकारिणी का विशेष आभार जताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय समय पर होते रहने चाहिए ताकि समाज ऐसी पवित्र जगह पर बैठ कर एक दूसरे से बहुमूल्य अनुभव प्राप्त कर सकें तथा समाज मे आ रही कुरीतियों के बारे मे विचार विमर्श करके इनकी रोकथाम के लिए सर्वसम्मत निर्णय लिए जा सकें।

■ हम सबको महाराजा सूरजमल सोसाइटी से प्रेरणा लेकर काम करने की जरुरत : कृष्ण

कुरुक्षेत्र। महाराजा सूरजमल वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी का स्वागत करते प्रधान कृष्ण श्योकंद व अन्य।

महाराजा सूरजमल के आदर्शों से समाज एक सूत्र में बंधा

आए हुए मेहमानों का स्वागत करते हुए डॉ कृष्णा श्योकन्द ने कहा कि की महाराजा सूरजमल वेलफेयर सोसाइटी जिस प्रकार से समाज के अजय योद्धा सूरजमल के इतिहास को संजोकर व उनके आदर्श पर चलकर समाज को एक सुत्र में पिरोने का काम कर रही है वह वाकई काबलेतारीफ है।

समाज निर्माण में सूरजमल सोसाइटी प्रेरणास्रोत

हम सबको भी महाराजा सूरजमल सोसाइटी से प्रेरणा लेकर काम करने की जरुरत है ताकि हमारे समाज की छवि सभी समाजों में सम्मान जनक व एक बड़े भाई की बन सके। उन्होंने कहा कि सूरजमल सोसाइटी सामाजिक कार्यों के लिए व समाज की मजबूती के लिए जो भी फैसला लेगी अंतराष्ट्रीय जाट संथा आपके साथ कंधे से कन्धा मिला कर चलेगी । उन्होंने समाज के सभी जनों से अनुरोध किया की आज समाज के भविष्य को शिक्षा, स्वास्थ्य व खेलों के क्षेत्र मे आगे बढ़ाने की सख्त जरुरत है तथा जाट संस्था इस बारे मे प्रयासरत है। महाराजा सूरजमल सोसाइटी के प्रधान भीम सिंह ने अपने सम्बोधन मे कहा की वह सभी जन इस पवित्र स्थान पर आकर व सम्मान पाकर अत्यंत खुशी महसूस कर रहे है। कार्यक्रम को संस्था के मीडिया कोऑर्डिनेटर गुरदीप तंवर ने बखूबी से संचालित किया। इस अवसर पर जाट संस्था कैथल के प्रधान रोशन पाड़ला, दरबारा नैन, प्रताप चहल, राजकमल ढांडा, राममेहर मौन, अशोक भाम्भू बलवान धारीवाल, मुकेश नम्बरदार, सतबीर गोपेरा को अन्तर्राष्ट्रीय जाट संस्था के प्रधान कृष्णा श्योकन्द, बनी सिंह ढुल, हरकेश सहारन, नरेंद्र नैन, बारवा, पूर्व प्रधान सुरेंदर इशयाक राजेंद्र हथौरा, टेकचंद बारना पूर्व प्रधान कर्मबीर घराडसी, पूर्व कुलपति रनपाल कुलदीप जखवाला, कुटा प्रधान जितेंदर खटकड़, महंत गोपाल दास आदि ने उनको समाज के लिए अदा की गई अग्रणी भूमिका के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

प्रवासी मजदूर के गुप्तांग में प्रेशर से भरी हवा,मौत

अंबाला। केसरी में रुई की फैक्टरी में काम करने वाले एक प्रवासी ने साथी के गुप्तांग में प्रेशर से हवा भर दी। इसके उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके का मुआयना किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। अब उससे गहनता से पूछताछ की जा रही है। बिहार के रहने वाला सुमित गोंडा ने पुलिस को बताया कि वह अपने परिवार के साथ रहता है। उनका भाई गनोरी कोरा केसरी स्टेशन के पास एक कंपनी में काम करता था। दोपहर फोन आया कि उसके भाई की फैक्टरी में तबीयत खराब हो चुकी है। उसे कहा कि वह गनोरी को अस्पताल लेकर जा रहे हैं। चंडीगढ़ में पहुंचने पर उसके भाई को मृत घोषित कर दिया।

फसल अवशेष प्रबंधन पर दी जा रही प्रोत्साहन राशि

अंबाला। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने किसानों से आह्वान किया है कि वे धान कटाई के बाद बचने वाले फसल अवशेष (पराली) को जलाने की बजाय इसका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन कर अपनी आय को बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि पराली को जलाना न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति को नष्ट करता है, बल्कि वायु प्रदूषण फैलाकर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पराली प्रबंधन को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कृषि विभाग के प्रचार वाहन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार ग्रामीणों व अन्य को पराली प्रबंधन के बारे जानकारी भी दी जा रही है।

वार्ड सदस्य बोले, नौकरीपेशा लोगों के घरों से नहीं उठ रहा निरंतर कूड़ा

रिहायशी भवनों से नहीं उठ रहा कूड़ा, शहरवासी परेशान

ठेका खत्म होने से बाजारों में शाम को छाने लगा अंधेरा, मंत्री विज ने 15 तक स्ट्रीट लाइट जलाने के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। बस स्टैंड के बाहर सड़क किनारे पड़े कूड़े का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

अंबाला सदर नगर परिषद में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी सदस्यों की निगरानी में काम करेंगे। गली-मोहल्ले में काम करने वाले इन कर्मचारियों को भुगतान की प्रक्रिया वार्ड सदस्य के हस्ताक्षर के बाद होगी। अंबाला छावनी के कार्यालय में हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने भी इस सिलसिले में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र नरवाल को जरुरी निर्देश दिए हैं। वार्ड 15 के सदस्य श्याम सुंदर अरोड़ा ने बताया कि उनके वार्ड में कुछ घर ऐसे हैं, जहां पति व पत्नी दोनों ही नौकरी करते हैं। ऐसे में उनके घरों से कूड़ा नहीं उठता क्योंकि कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी 10 या 11 बजे आते हैं। इस कारण उन्हें खुद कूड़े का निस्तारण किसी दूर-दराज के स्थान पर करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान को लेकर डोर-टू-डोर कर्मचारियों को सुबह सात बजे कूड़ा निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह वार्ड नंबर 14 के लक्की सिंह ने बताया कि उनकी गली में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी आते हैं लेकिन सीट मारकर वो निकल जाते हैं, न तो वो गली में कुछ देर के लिए ठहरते हैं और न ही कूड़ा उठाने के लिए कोई सूचना देते हैं। ऐसे में उन्हें मजबूरन प्राइवेट कर्मचारियों से कूड़ा उठवाना पड़ता है और इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 200 रुपये देने पड़ रहे हैं। इस समस्या के लिए भी लोगों ने सदस्य को जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। ज्यादातर वार्ड सदस्यों ने यह भी मांग रखी कि कूड़े का निस्तारण सुबह और शाम को दो बार किया जाए ताकि लोगों को गंदगी की परेशानी से जूझना न पड़े।

स्ट्रीट लाइट बंद, छाने लगा अंधेरा

नगर परिषद के अधीन बाजारों सहित रिहायशी क्षेत्रों में लगी स्ट्रीट लाइटें बंद होने लगी हैं, ऐसे हालात फैंसी लाइटों के भी हैं। रिपेयर का ठेका खत्म होने के बाद न तो स्ट्रीट लाइट को रिपेयर हो पा रही है और न ही फैंसी लाइटों की। ऐसे में गलियों में अंधेरा छाने लगा है। वार्ड स्तर पर भी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई है। लक्की ने बताया कि उनकी गली में लगी चार स्ट्रीट लाइटें पिछले लगभग एक सप्ताह से बंद पड़ी हैं। शिकायत करने के बाद कर्मचारी आया था लेकिन पुर्जा न होने के कारण वह स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त नहीं कर सका। इसी तरह सदर बाजार, निकलसन रोड और विजय रत्न चौक के पास डिवाइडरों पर लगी फैंसी लाइटें बंद पड़ी हुई हैं। ऐसे ही हालात सुभाष पार्क के बाहर लगी लाइटों के भी हैं। इनकी रिपेयर न होने के कारण बाजार की खूबसूरती को ग्रहण लग रहा है। इस मुद्दे को विजय रत्न चौक के एसोसिएशन प्रधान अतुल महाजन ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज के समक्ष भी यह समस्या रखी है।हालांकि दीपावली के त्यौहार को देखते हुए मंत्री अनिल विज ने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 15 अक्तूबर से पहले सभी स्ट्रीट लाइटें, फैंसी लाइटें और तिरंगा लाइटें जलाने के आदेश दिए हैं।

पंद्रह से शुरू होगा

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र नरवाल ने बताया कि पुराना ठेका खत्म हो गया है। नई निविदा पर कार्य 15 अक्तूबर से शुरू करवा दिया जाएगा। इसके अलावा अपने स्तर पर भी लाइटों को दुरुस्त करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है ताकि लोगों और बाजार के दुकानदारों की समस्या का समाधान हो सके। इस संबंध में ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं ताकि वार्डों में कोई भी घर न छूटे। इसके अलावा वार्ड पार्षदों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। शाम को कूड़ा निस्तारण के प्रबंध भी जल्द कर दिए जाएंगे।

छात्रों की लाइफ स्किल्स में बढ़ौतरी करके दें नई दिशा

अंबाला। सेमीनार में शिक्षकों से बातचीत करती एक वक्ता।

- पुलिस डीएवी स्कूल में लाइफ स्किल विषय व सीबीएसई की ओर से सेमीनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर स्थित पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित लाइफ स्किल्स विषय से संबंधित अध्यापकों के लिए एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षा के स्तर को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र तथा डीएवी गान द्वारा हुई। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने इस अवसर पर कहा कि समय-समय पर इस तरह के सेमिनारों का आयोजन करवाया जाता है ताकि शिक्षण को बेहतर बनाया जा सके। इस युग में जीवन कौशल वे क्षमताएं हैं जो व्यक्तियों को दैनिक चुनौतियों और मांगों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सक्षम बनाती हैं। इससे उनका जीवन अधिक स्वस्थ और उत्पादक बनता है। इनमें आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और संचार जैसी मनो-सामाजिक योग्यताएं, साथ ही आत्म-जागरूकता और भावनाओं को प्रबंधित करने जैसे व्यक्तिगत कौशल शामिल हैं। जीवन कौशल लोगों को व्यक्तिगत संबंधों से लेकर पेशेवर परिवेश तक विभिन्न परिस्थितियों में अनुकूल होने और सकारात्मक व्यवहार करने में मदद करते हैं।

60 ने लिया हिस्सा

दूसरे सेशन में रितु मखीजा ने बच्चों के लाइफ स्किल्स में अध्यापक और स्कूल की क्या भूमिका होती है इसके विषय में चर्चा की। उन्होंने बच्चों के साथ व पेरेंट्स के साथ सही तरीके से डील करने के सुझावों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा को शामिल करके, स्कूल छात्रों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं। इस सेमिनार में 60 अध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लाइफ स्किल्स विषय पर अलग-अलग अधिवक्ताओं ने अपनी प्रेजेंटेशन दी। अपने विचार व सुझाव दिए उनसे संबंधित विभिन्न एक्टिविटी कराई गई।

मोदी ने किसानों को दिया 42 हजार करोड़ का तोहफा

- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

नारायणगढ़। पीएम मोदी के अभिभाषण को सुनते पूर्व विधायक व कार्यकर्ता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली से प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। साथ ही कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़ी 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित किसानों से संवाद किया और कहा कि कृषि आत्मनिर्भरता भारत के विकास का आधार है। किसानों की मेहनत और आधुनिक तकनीक के समन्वय से देश कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के लिए मार्केट कमेटी कार्यालय परिसर में एलईडी स्क्रीन लगाई गई थी। यहां किसान, आढती और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मार्केट कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र राणा कुराली ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों की भलाई को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। देशभर में कृषि से जुड़ी योजनाओं को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाने का यह ऐतिहासिक क्षण है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा हरियाणा के प्रभारी एवं पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप सैनी अंबली, मार्केट कमेटी चेयरमैन नरेंद्र राणा कुराली, वाइस चेयरमैन भूषण अग्रवाल, मार्केट कमेटी सचिव अखिलेश शर्मा तथा अनाज मंडी आढती एसोसिएशन प्रधान योगेंद्र मोहन शर्मा, भाजपा नेता राकेश बिंदल, जसविंद्र सिंह बख्तुआ, मदन चानना, ओपी चानना, देवेंद्र सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आर्थिक स्थिति सशक्त

पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कदम किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त करेगा। धन-धान्य योजना व दलहन आत्मनिर्भरता मिशन कृषि उत्पादन, भंडारण व विपणन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। कृषि क्षेत्र में निवेश और नवाचार के नए द्वार खुलेंगे। प्रधानमंत्री की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ देश की खाद्य सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को 42 हजार प्लस करोड़ की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप सैनी ने कहा कि यह योजनाएं किसान कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगी। इससे युवाओं को कृषि आधारित उद्योगों में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

लायंस क्लब समय-समय पर सामाजिक सेवाओं में योगदान दे रहा : राजीव जैन

- काकरू की स्लम बस्ती में क्लब सोलिटेयर ने लगाया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

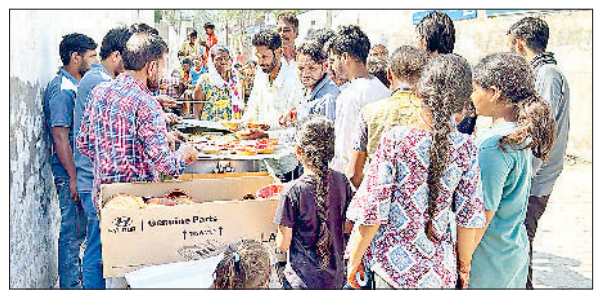

अंबाला। लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने भंडारे में ग्रामीणों को करवाया भोजन।

अंबाला शहर के काकरु गांव की स्लम बस्ती में लायंस क्लब अंबाला सोलिटेयर की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बस्ती में क्लब पदाधिकारियों की ओर से कई व्यंजन बांटे गए। भंडारे में हिस्सेदारी करते ग्रामीण भी बेहद खुश हुए। क्लब के प्रेजिडेट राजीव जैन ने बताया कि समय समय पर उनका क्लब सामाजिक सेवाओं में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि क्लब की ओर से जनहित में कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भंडारों के साथ क्लब के पदाधिकारी स्लम बस्तियों में रहने वाले बच्चों को शिक्षण सामग्री के साथ उन्हें स्कूल यूनिफोर्म भी उपलब्ध करवाते हैं। उन्होंने बताया कि क्लब के पदाधिकारी कई गरीब व जरुरतमंद बच्चों की शिक्षा का खर्च भी उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को क्लब की ओर से भंडारा आयोजित किया गया।

डकैती के मामले में फरार आरोपी दबोचा

- काफी समय से चल रहा था फरार, पांच दिन के रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

थाना अंबाला छावनी में दर्ज डकैती के मामले में सीआईए-2 ने काफी समय से फरार चल रहा आरोपी विशाल को गिरफ्तार किया है। उसे पांच दिन के रिमांड पर लिया है। राजीव निवासी नजदीक पुलिया स्टेशन ने 5 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने उसके शोरूम से 8 विंडो एसी व अन्य की दुकान से इनवर्टर, बैटरी व वाइडिंग कॉपर वायर हथियार दिखाकर, डरा धमकाकर चोरी कर ले गए है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। जांच की जिम्मेदारी सीआईए-2 को दी थी।

कार बेचने के मामले में आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना नग्गल में दर्ज जाली कागजात के आधार पर धोखाधड़ी से कार बेचने के मामले में पुलिस ने आरोपी नितिन को गिरफ्तार किया है। बकनौर के मंजीत सिंह ने 22 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 6 फरवरी 2025 से 13 मार्च 2025 के दौरान आरोपी नितिन ने गांव बकनौर में धोखाधड़ी से जाली कागजात के आधार पर कार बेचने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

129338 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

अंबाला। सिविल सर्जन डा. राकेश सहल ने बताया कि 12 अक्तूबर दिन रविवार को पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। अभियान के तहत आवश्यक सावधानियां बरतते जन्म से 5 साल तक के 129338 बच्चों को दो बूंद पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी। बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत 12 को सभी पोलियो बूथ पर तथा 13 व 14 को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने का काम किया जाएगा। जिला में 994 बूथों पर 2834 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी वर्कर, आशा सामाजिक कार्यकर्ता, नेहरू युवा कार्यकर्ता तथा विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के सदस्यों, पंचायती राज व जिला प्रशासन के सहयोग से 0 से 5 वर्ष के 129338 बच्चों को अतिरिक्त खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है जिला के औद्योगिक क्षेत्र, निर्माणधीन स्थल, झुग्गियों में रह रहे कामगार मजदूरों के बच्चों को हाई रिस्क एरिया घोषित कर विशेष टीमें लगाई गई।

बिहार से बच्चों की तस्करी के लिए बनाए गए थे फर्जी आधार कार्ड

- तैयार आधार कार्ड में सभी बच्चों की 18 साल बताई गई उम्र, अब जीआरपी मामले में कर रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

फर्जी आधार कार्ड पर ट्रेन के माध्यम से हो रही मानव तस्करी से जुड़े मामले की गहन जांच शुरू हो गई है। अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंची कर्मभूमि एक्सप्रेस से जांच टीम ने 12 बच्चों को संरक्षण में लिया गया था। बच्चों के पास रेल टिकट तो था लेकिन उनकी पहचान के लिए बनाए गए आधार कार्ड फर्जी थे। साजिश के तहत उन्हें बालिग दिखाने के लिए उनकी उम्र 18 वर्ष दर्शायी गई थी। जिला युवा विकास संगठन के साथ आरपीएफ व जीआरपी की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। बच्चों के साथ चार युवकों को भी हिरासत में लिया गया है। सभी बच्चों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष पेश करके ओपन शेल्टर होम भेज दिया गया है। जिला युवा विकास संगठन के अध्यक्ष परमजीत सिंह बड़ौला ने बताया कि उन्हें बिहार की एक संस्था से जानकारी मिली थी कि कुछ बच्चों को ट्रेन नंबर 12407 कर्मभूमि एक्सप्रेस से श्रम मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा है जोकि जम्मू और पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में भेजे जाएंगे।

20 के करीब बच्चों को संरक्षण में लिया था

प्राथमिक पूछताछ में बच्चों ने सीडब्लूसी के समक्ष बताया कि वह बहुत गरीब हैं, इसलिए मेहनत-मजदूरी करने के लिए उनके माता-पिता ने उन्हें भेजा है। उन्हें प्रतिदिन के हिसाब से 300 से 500 रुपये का मेहनताना देने का आश्वासन भी दिया है। जिला युवा विकास संगठन द्वारा संरक्षण में लिए गए बच्चे बिहार से संबंधित हैं। इसमें खगड़िया, मधेपुरा, कटिहार आदि के बच्चे हैं। वहीं पकड़े गए चार युवकों ने खुद को बच्चों के मामा व चाचा बताया हैं। ऐसे में अब बच्चों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। इससे पहले भी कर्मभूमि एक्सप्रेस में दबिश देकर 20 के करीब बच्चों को संरक्षण में लिया था जोकि जांच-पड़ताल के बाद उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए थे।

राजकीय कालेज में प्राचार्य रोहित कुमार ने संभाला कार्यभार

नारायणगढ़। नए प्राचार्य का अभिनंदन करते कॉलेज शिक्षक।

नारायणगढ़। राजकीय महाविद्यालय में नए प्राचार्य रोहित कुमार ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कॉलेज परिवार द्वारा प्राचार्य का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में कॉलेज के सभी शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्राचार्य रोहित कुमार 2001 में राजकीय महाविद्यालय महम में भूगोल के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हुए। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से 1998 में भूगोल में एमएससी एवं 2000 में एमफिल की उपाधि प्राप्त की। वे कई वर्षों तक महाविद्यालय के बर्सर भी रहे। उन्हें राजकीय महाविद्यालय महम के डीडीओ के रूप में प्रशासनिक एवं विकास निदेशक का लगभग 10 वर्षों का अनुभव रहा है। प्राचार्य ने अपने कार्यभार संभालते कहा कि महाविद्यालय के समग्र विकास, छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति एवं अनुशासित वातावरण को बनाए रखना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

नशे के खिलाफ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरुरी

अंबाला। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि नशा एक गंभीर समस्या है जिसे रोकने के लिए पुलिस द्वारा अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। नशे की वजह से न केवल व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है बल्कि इससे परिवार और समाज भी पूरी तरह से प्रभावित होता है। पुलिस द्वारा निरन्तर नशे के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे है जिसके तहत आमजन को जागरूक किया जा रहा है। नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरुरी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यालय के खिलाड़ियों ने लगाई पदकों की झड़ी

डीएवी स्कूल की तैराक शक्ति ने मचाई धूम, चार पदक जीते

खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने दमखम और प्रतिभा का लोहा मनवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। खेल के मैदान में दम दिखाने वाले खिलाड़ियों के साथ प्रिंसिपल व अन्य।

अंबाला शहर के डीएवी पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने नया इतिहास इतिहास रचकर राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर चमका विद्यालय का परचम लहराया है। खेल के मैदान में स्कूल के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने दमखम और प्रतिभा का लोहा मनवाया। डीएवी क्लस्टर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यालय के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों की झड़ी लगाकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई। प्रतियोगिता की हैंडबॉल स्पर्धा में (अंडर-14 गर्ल्स) टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया जबकि कक्षा 8वीं डी की जसलीन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्विमिंग (अंडर-17 गर्ल्स) वर्ग में शक्ति ने 4 स्वर्ण पदक जीतकर जल क्रीड़ा में अपना दबदबा कायम रखा। वहीं स्विमिंग (अंडर-17 बॉयज) वर्ग में तेजसवीर ने 1 रजत व 4 कांस्य पदक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई। वुशु में विद्यालय के खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 5 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर अपनी अजेय क्षमता का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार

राज्य स्तरीय चयनित खिलाड़ियों में कर्ण मिश्रा, विक्रम , नमन , मुकेश , दीपिका , सीरत, प्रतीक्षा, मन्नत , अर्शप्रीत और रूहानी शामिल हैं। एसजीएफ राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी विद्यालय के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया। यह चयन विद्यालय के लिए गौरव का क्षण रहा और विद्यार्थियों में नई ऊर्जा व जोश का संचार हुआ। बॉक्सिंग में कक्षा 11वीं के सूरज शुक्ला ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर सबका मन मोह लिया। स्विमिंग (अंडर-17 बॉयज – तेजसवीर) एवं (अंडर-17 गर्ल्स – शक्ति) का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य राधारमण सूरी ने सभी विजेता खिलाड़ियों, कोचों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के ये खिलाड़ी अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के प्रतीक हैं। डी.ए.वी. परिवार को इन पर गर्व है और हमें विश्वास है कि ये राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अक्टूबर 2025
P-1

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

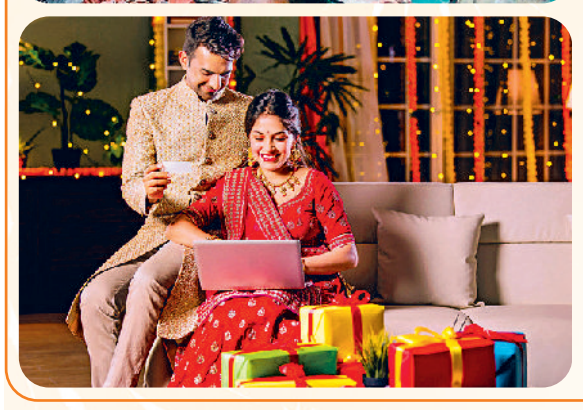

{ आवरण कथा }
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस में, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेचिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

{ अवेयरनेस }
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

{ गजल }
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

{ लघुकथाएं }

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

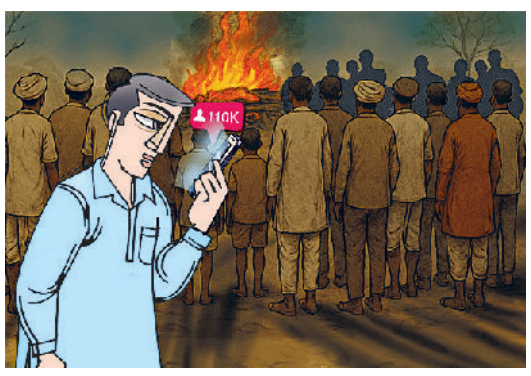

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

अमेजिंग स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

इन दिनों फेस्टिवल सीजन चल रहा है। आपके घर के आस-पास और बड़ी मार्केट्स में खूब रौनक और भीड़-भाड़ दिख रही होगी। बाजार ऐसा स्थान होता है, जहां से हम सभी अपनी जरूरत का हर सामान खरीद सकते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी बाजार हैं, जो अपनी खूबसूरती, भव्यता, अद्भुत सामानों की बिक्री और अनोखेपन के कारण बहुत मशहूर हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे बाजारों और उनकी विशेषताओं पर एक नजर।

ये हैं दुनिया के कुछ अनोखे-प्रसिद्ध बाजार

डम्नोएन सडुआक फ्लोटिंग मार्केट

यह अनोखा बाजार थाईलैंड में बैंकॉक से लगभग 100 किमी. दक्षिण-पश्चिम में राजबुरी इलाके में लगता है। डम्नोएन मार्केट थाईलैंड के सबसे मशहूर और बड़े तैरते हुए बाजारों में से एक है। इस

बाजार का निर्माण 19वीं सदी के अंत में तत्कालीन राजा रामचतुर्थ के आदेश पर हुआ था। जिसका उद्देश्य माइकलोंग और थाची नामक नदियों को आपस में जोड़ना और उनके माध्यम से व्यापार को सुगम बनाना था। आज यह बाजार सदियों पुरानी थाई परंपरा को दर्शाता है। यहां महिला विक्रेता ज्यादा हैं, जो पारंपरिक कपड़े पहनकर लकड़ी की छोटी नावों पर सामान बेचती हैं। इनमें फल, सब्जियां, ताजा पका हुआ स्ट्रीट फूड, स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ हस्तशिल्प का सामान होता है। यह बाजार सुबह सात से नौ बजे तक सबसे अधिक व्यस्त रहता है। इच्छुक खरीदार ही नहीं, इस अनोखी फ्लोटिंग मार्केट में घूमने और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी नाव से आते हैं।

ईमा कीथेल मार्केट

यह अनोखा बाजार भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की राजधानी इंफाल में लगता है। यह बाजार लगभग 500 वर्ष पुराना है और एशिया के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता है। ईमा केथेल बाजार की नींव 16वीं शताब्दी में लल्लुप काबा के विरोधस्वरूप हुई मानी जाती है। उस समय पुरुषों को जबरन बंधुवा मजदूर बनाने और दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने के लिए भेजने की प्रथा थी। जिसके चलते महिलाओं को घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। उन्हें खेती, विभिन्न खाद्य पदार्थ, घरेलू सामान, परंपरागत सिलाई-बुनाई, हस्तकला निर्मित वस्तुओं का निर्माण,

मछली पकड़ने जैसे कार्य करके अपने उत्पाद बेचने पड़े। तभी यह बाजार अस्तित्व में आया।

आज ईमा कीथेल मार्केट दुनिया में एकमात्र ऐसा बाजार है, जो पूरी तरह से महिला विक्रेताओं तकरीबन (6000) द्वारा संचालित किया जाता है। ईमा कीथेल नाम का मणिपुरी भाषा में अर्थ मां का बाजार है, जिसमें प्रायः सभी दुकानदारों को ईमा या मां कह कर संबोधित किया जाता है। यह मुख्यतया तीन खंडों में बंटा हुआ है। जहां घरेलू सामान, फल-सब्जियां, मसाले, विभिन्न प्रकार के जलीय जीव, मणिपुरी पारंपरिक वस्त्र और बुनाई के उत्पाद मिलते हैं। यह केवल एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि मणिपुर की महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, गौरव और सामाजिक-आर्थिक महत्व का एक जीवंत प्रतीक है।

मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट

थाईलैंड के सामुन सोंग खराम प्रांत में लगने वाली मेकलॉन्ग रेलवे मार्केट को स्थानीय भाषा में तलात रोखूप या फोल्डिंग अंब्रेला मार्केट भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे अनूठे और रिस्की बाजारों में से एक है। यह बाजार अपनी बिक्री वाले सामान के लिए नहीं, बल्कि एक्टिव रेलवे ट्रैक के किनारे बने होने और भारी आवाजाही के कारण मशहूर है। यानी, बाजार के दुकानदार ही नहीं, खरीदार भी रेलवे ट्रैक पर सामान खरीदते-बेचते हैं। यहां ताजे फल, सब्जियां, समुद्री भोजन और अन्य घरेलू सामान मिलता है। इस बाजार का सबसे बड़ा आकर्षण और अनोखापन है ट्रेन का बाजार के बीचों-बीच दिन में आठ बार गुजरना। जैसे ही ट्रेन के आने का हॉर्न बजता है, सभी दुकानदार रेलवे ट्रैक तक पहुंचने वाले अपनी-अपनी दुकान के तिरपाल, छतरियां और सामान तुरंत हटा लेते हैं। रेलवे ट्रैक पर बेखौफ चलने वाले खरीदार भी रास्ता देकर ट्रेन के गुजरने का इंतजार करते हैं। ट्रेन के चले जाने पर बिना देर किए दुकानें फिर सजा लेते हैं और कुछ पलों के लिए थमे बाजार की रौनक दुबारा शुरू हो जाती है। यह अनूठी दिनचर्या जहां स्थानीय वाणिज्य और रेल परिवहन के बीच तालमेल का एक शानदार उदाहरण है, वहीं यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

ग्रैंड बाजार

तुर्की देश के इस्तांबुल शहर में स्थित ग्रैंड बाजार को तुर्की भाषा में कापाली चार्शी कहा जाता है। इसका निर्माण 1455 में ऑटोमन साम्राज्य के सुल्तान मेहमेद द्वितीय के आदेश पर शुरू हुआ था। अपनी जटिल वास्तुकला, गुंबददार छत और ऐतिहासिक भव्यता के कारण यह बाजार सिर्फ

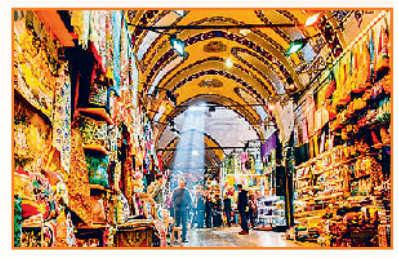

एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। बल्कि तुर्की की संस्कृति, इतिहास और एशिया-यूरोप के मध्य में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में इस्तांबुल की भूमिका को दर्शाता, जीता-जागता संग्रहालय भी कहा जा सकता है। आज ग्रैंड बाजार दुनिया के सबसे बड़े और सबसे खूबसूरत बाजारों में से एक है। इसमें 61 से अधिक कवर किए गलियारे और 4000 से अधिक दुकानें हैं। सदियों से व्यापार और वाणिज्य का केंद्र रहे ग्रैंड बाजार में लाखों पर्यटक और खरीदार रोजाना पहुंचते हैं। हस्तनिर्मित टर्किश कालीन, रंगीन सेरेमिक की वस्तुएं, सोने-चांदी के आभूषण, चमड़े के सामान के साथ विभिन्न प्रकार के मसाले, आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के लिए मोल-भाव करने का प्रचलन भी यहां है, जो आगुंतकों के खरीदारी के अनुभव को अधिक रोमांचक बना देता है। *

डल झील बाजार

भारत के केंद्र शासित प्रदेश कश्मीर की डल झील पर लगता है यह तैरता हुआ डल झील सब्जी बाजार। डल झील के बीच पानी में थोड़े समय के लिए लगने वाला बाजार कश्मीर घाटी की संस्कृति और सुंदरता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है। यह भारत का इकलौता और दुनिया के चुनिंदा अनोखे बाजारों में एक है, जो पानी के ऊपर लगते हैं। इस बाजार का नजारा डल झील की शांत नीली पृष्ठभूमि और पहाड़ों की छाया के बीच कश्मीरी जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवासियों के गहरे जुड़ाव को भी दर्शाता है। डल झील बाजार में रोजाना सुबह पांच से सात बजे तक चहल-पहल बनी रहती है। यानी इस बाजार से यदि किसी को सब्जियां खरीदनी हैं, तो उसे सुबह जल्द ही आना पड़ेगा। स्थानीय विक्रेता लोग शिकारा नाव पर सवार होकर इस बाजार में खुद उगाई सब्जियां लेकर बिक्री के लिए आते हैं। वहीं खरीदार भी अपने शिकारा पर सवार होकर आते हैं और चलते हुए एक नाव से दूसरी नाव पर खरीद-फरोख्त करते हैं।

यूनीक पेंटिंग / मनीष कुमार चौधरी

सदियों पहले इटेलियन पेंटर लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाई गई अद्वितीय पेंटिंग मोनालिसा का आकर्षण अब भी बरकरार है। इस यूनीक पेंटिंग से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर एक नजर।

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो दा विंची की प्रसिद्ध पेंटिंग मोनालिसा ने कल्पना को जितना मोहित किया है, उतना शायद ही किसी कलाकृति ने किया हो। उनके इस चित्र का रहस्य और आकर्षण 30 इंच X 20 इंच के साधारण फ्रेम से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वह किताबों, फिल्मों, गीतों और यहां तक कि एक कला चोरी का विषय भी है। समय के साथ पेंटिंग का वार्निश भले ही धुंधला और पीला पड़ गया हो, लेकिन उनकी भावपूर्ण मुस्कान और रहस्यमयी निगाहें अभी भी चमकती हैं।

कौन थी असली मोनालिसाः हालांकि मोनालिसा की पहचान को लेकर कुछ मतभेद हैं। लेकिन ज्यादातर विद्वानों और कला इतिहासकारों का मानना है कि यह चित्र फ्रांसीसी संभ्रांत महिला लिसा डेल जियोकोंडो का है, जो एक धनी रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। लिसा का जन्म 1479 में हुआ था और उन्होंने 15 साल की उम्र में फ्रांसेस्को से शादी की थी। वह बहुत सुंदर और आकर्षक थीं। लियोनार्डो ने 1503 में मोनालिसा को चित्रित करना शुरू किया और 1517 तक इस पर काम किया। हालांकि यह पेंटिंग डेल जियोकोंडो के घर में कभी नहीं सजी। लेकिन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुई।

स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमालः इस चित्र को बनाने में लियोनार्डो ने अपनी विशिष्ट स्फुमाटो तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें किसी व्यक्ति के फेस पेंटिंग में होंठों और आंखों के किनारों को सूक्ष्म रूप से धुंधला करके धुएं जैसा रहस्यमयी प्रभाव पैदा किया जाता है। इस प्रभाव से चित्र की आंखें विभिन्न भागों पर घूमती दिखती हैं, मुस्कुराहट बदलती हुई प्रतीत होती है। इस चित्र में ऐसे भाव प्रकट होते हैं, जिसको देखकर यह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि वह खुश है या उदास। वह मुस्कुरा रही है या नहीं। रहस्य का यही स्पर्श पेंटिंग के आकर्षण में इजाफा करता है और दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है।

रहस्यात्मक मुस्कानः मोनालिसा की मुस्कान एक सीधी-सादी, हर्षित मुस्कान नहीं है। इसे अकसर उदासी, गंभीरता या किसी रहस्य का संकेत देने वाली मुस्कान

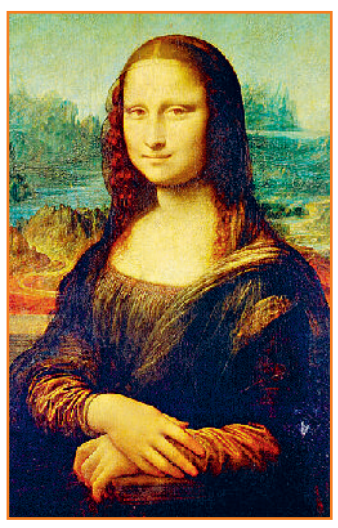

के रूप में वर्णित किया जाता है। यह मुस्कान लियोनार्डो की मानवीय अभिव्यक्ति और भावनाओं की बारीकियों को पकड़ने की असाधारण क्षमता को भी दर्शाती है। इस मुस्कान का पेंटिंग आर्ट पर अमिट प्रभाव रहा है, जिसने अनगिनत कलाकारों, लेखकों और फिल्म निर्माताओं को इसकी गहराई का पता लगाने और अपनी व्याख्याएं रचने के लिए प्रेरित किया है। इस पेंटिंग को अब तक की सबसे महान भावनात्मक पेंटिंग तक बताया गया है। कुछ इसे परंपरा से परे, परिभाषा से परे, छवि से परे सत्य की तलाश करते हुए पाते हैं। 'तुम्हारी मुस्कान मोनालिसा जैसी है।' यह कहने का मतलब है-रहस्य। यानी कोई मुस्कान रहस्य और जिज्ञासा से कैसे जुड़ जाती है, मोनालिसा की मुस्कान इसका एक सशक्त उदाहरण है। ऐसा माना जाता है कि मोनालिसा द्वारा अपनी मुस्कान में अपनी खुशी को पूरी तरह से व्यक्त न करने का कारण उनके पिछले नुकसान का दर्द था। यह सिद्धांत कई शोक संतप्त महिलाओं के साथ प्रतिध्वनित होता है।

लियोनार्डो की कलात्मकता का कमालः लियोनार्डो ने चीजों को गहराई से देखने की अपनी क्षमता और अध्ययनों को अपनी कला में भी शामिल किया। मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में लियोनार्डो की अंतर्दृष्टि और गहरी समझ, उनकी उत्कृष्ट कृतियों को अमूल्य बनाती है। एक अध्ययन के अनुसार, मोनालिसा के मुंह की मूल तस्वीर 97 प्रतिशत बार 'खुशी' के रूप में देखी गई। यह शोध इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि मुस्कान वास्तव में खुशी का चित्रण है। मुस्कान के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण और पुनर्निर्माण करके वैज्ञानिकों को इस बात की गहरी समझ मिली कि लियोनार्डो दा विंची अपनी कलात्मकता के माध्यम से दर्शकों की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते थे।

चोरी भी हो चुकी पेंटिंगः लियोनार्डो अपनी इस पेंटिंग को 14 साल तक अपने साथ रखे रहे। उनके प्रशंसक कलाकारों और छात्रों ने उनके जीवनकाल में ही इस कलाकृति की प्रतियां बनाना शुरू कर दिया था। यह चित्र अंततः लियोनार्डो के अंतिम संरक्षक फ्रांस के राजा फ्रांसिस प्रथम के संग्रह में शामिल हो गया। लेकिन 21 अगस्त 1911 को यह पेंटिंग चोरी हो गई। अगले दो सालों तक उसकी चोरी की कहानी एक सांस्कृतिक सनसनी बनी रही। वर्ष 1913 में विंसेंजो पेरुगिया नामक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने इसे चुराया था। इस तरह मोनालिसा वापस अपने फ्रेम में पहुंच गई। *

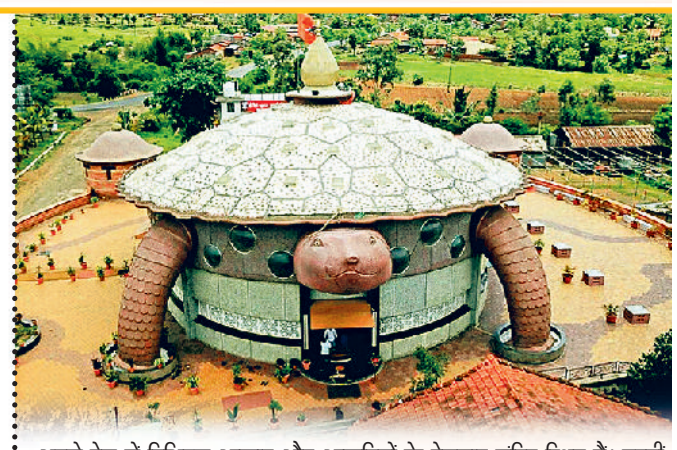

अपने देश में विभिन्न आकार और आकृतियों के बेशुमार मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक कछुए की आकृति वाला अनूठा मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। इस मंदिर की विशेषताओं और इससे जुड़ी निर्माण कथा के बारे में जानिए।

कछुए की आकृति वाला अजब-अनूठा मंदिर

रोचक / अशोक वाधवाणी

अपने भारत देश में बहुत सारे ऐसे अद्भुत, अनूठे मंदिर हैं, जिन्हें देखने वाला मंत्रमुग्ध होकर निहारता रह जाता है। इनकी स्थापत्य कला का नायाब नमूना हर किसी को अचरज से भर देता है। कुछ की संरचना इतनी भव्य और अनूठी है कि उसे देखने दुनिया भर से लोग आते हैं। कुछेक मंदिर तो ऐसे हैं, जो आकार में छोटे हैं, लेकिन उनमें लोगों को आकर्षित करने की भरपूर क्षमता है। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर पश्चिम

अपने अनोखे स्ट्रक्चर के कारण प्रसिद्ध है यह मंदिर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पैजार वाडी नामक छोटे से स्थान में स्थित है, जो कि पन्हाला हिल स्टेशन के निकट है। कोल्हापुर-रत्नागिरी रोड पर, कोल्हापुर से महज 25 किमी. की दूरी पर बने इस मंदिर की विशेषता है, इसका कछुए की अनोखी आकृति का होना। कछुआ आकृति वाला दूसरा कोई मंदिर पूरे महाराष्ट्र में और कहीं नहीं है।

निर्माण से जुड़ी मान्यताः इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी मान्यता के अनुसार एक समय में यहां पर श्रीदत्त चिले महाराज के नाम से एक प्रसिद्ध संत हुआ करते थे। वे अपने अनुयायियों के साथ अलग-अलग जगहों का भ्रमण किया करते थे। कोल्हापुर शहर के आस-पास की जगहों जैसे- टेंबलाई, नृहिंहवाड़ी, कोकण क्षेत्र में जोंध मारुति आदि के अलावा पंढ़रपुर जैसी धार्मिक जगहों पर वे अकसर जाते रहते थे। वे जहां भी जाते थे, उस इलाके में रहने वाले कछुओं को अवश्य याद करते थे। किसी स्थान पर पहुंचकर वे जब अपने अनुयायियों से कहते कि कछुआ यहीं-कहीं होना चाहिए, तो उनके शिष्यों की भाग-दौड़ शुरू हो जाती। उन शिष्यों के अचरज का ठिकाना नहीं रहता, जब गुरुदेव के कहे स्थान पर कछुए का दर्शन हो जाता था। श्रीदत्त महाराज का कछुए के प्रति इतना लगाव-जुड़ाव क्यों था? इसकी सही-सही जानकारी नहीं मिली। लेकिन उनके अनुयायी और शिष्य मानते थे कि महाराज जहां कह देंगे, वहां कछुआ जरूर दिख जाता था। वर्ष 1986 में उनके देह त्यागने के बाद उनकी समाधि बनाई गई। मंदिर ट्रस्ट के सारे सदस्यों ने योजना बनाई कि चिले महाराज का कछुए के प्रति आकर्षण को ध्यान में रखकर कछुए की आकृति वाला मंदिर बनवाया जाएगा।

मंदिर की संरचना-विशेषताः कुल 5000 स्क्वायर फीट एरिया में बने इस मंदिर की ऊंचाई 51 फुट, लंबाई 60 फुट और चौड़ाई 80 फुट है। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के निर्माण में किसी भी खंबे का सहारा नहीं लिया गया है। इसकी खूबियों, खासियतों को ध्यान में रखकर ही एक अमेरिकन संस्था ने इसे वर्ष 2005 'आउटस्टैंडिंग स्ट्रक्चर ऑफ द ईयर' के पुरस्कार से सम्मानित किया है।

ऐसे किया गया निर्माणः इस मंदिर की योजना को मूर्त रूप देने के लिए पुंडलिक राव इंगले ने विशेष प्रयास किए थे। इसे बनाने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइनें मंगाई गईं। आखिरकार 15 में से एक आर्किटेक्ट प्रमोद बेरी की डिजाइन का चयन किया गया। इस तरह मंदिर का निर्माण पूरा किया गया। इस मंदिर के अंदर ही चिले महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुगणों की आस्था का केंद्र है।

लगता है श्रद्धालुओं का जमघटः ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष बाबा साहब चव्हाण के अनुसार देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का तांता, दर्शन करने के लिए इस मंदिर में लगा रहता है। कई विशेष धार्मिक अवसरों जैसे- श्रीदत्त जयंती, चिले महाराज जी की जन्मतिथि, पुण्यतिथि, हर माह की अमावस्या, गुरु पूर्णिमा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आदि धार्मिक-आध्यात्मिक-सामाजिक अवसरों पर कई कार्यक्रमों का यहां आयोजन किया जाता है। *

जो फिल्में कॉमर्शियली सक्सेसफुल हैं, जरूरी नहीं कि वे कालजयी फिल्में भी हों। ऐसे ही यह भी जरूरी नहीं कि सदाबहार कालजयी फिल्मों का बॉक्स-ऑफिस रिकॉर्ड भी अच्छा रहा हो। बॉलीवुड की कुछ क्लासिक और कॉमर्शियली सक्सेसफुल फिल्मों के फंडे पर एक नजर।

बॉलीवुड की क्लासिक फिल्में वर्सेस कॉमर्शियली हिट फिल्में

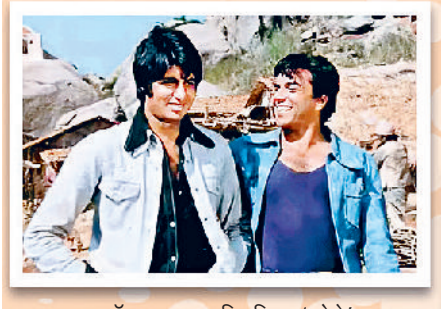

ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म 'शोले'

कल्ट क्लासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम'

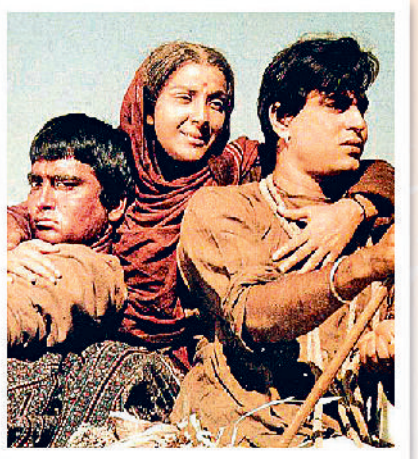

कालजयी फिल्मों में शामिल है 'मदर इंडिया'

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कालजयी फिल्में वे होती हैं, जिनमें कलात्मक उत्कृष्टता हो। वे सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन ही नहीं करतीं, ये फिल्में ऐसे विषयों से जुड़ी होती हैं, जो मानवीय जीवन और अनुभव के विभिन्न पहलुओं को सामने लाने का माध्यम बनती हैं। इनकी प्रासंगिकता तात्कालिक नहीं होती। ये फिल्में दशकों बाद भी दर्शकों से जुड़ने में सक्षम रहती हैं। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कारोबारी सफलता भी बहुत मायने रखती है, पर सबसे बड़ी सफलता है किसी फिल्म का कालजयी होना।

कॉस्टिंग-इनकम-सक्सेस का फंडाः यह बात सच है कि किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन या फिल्म से इनकम के आधार पर उसे हिट या फ्लॉप का तमगा दे दिया जाता है। फिल्म की कमाई का सीधा सा अर्थशास्त्र यह है कि फिल्म अपनी कुल लागत से ज्यादा कारोबार करे। जो फिल्म जितना अधिक बिजनेस करती है, उस हिसाब से उसकी सफलता का आकलन किया जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस फैक्टर्सः बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की सक्सेस के अनेक फैक्टर्स होते हैं। आज के दौर में फिल्में अकसर जबर्दस्त एडवर्टाइजमेंट के साथ रिलीज होती हैं, जो तत्काल टिकट-बिक्री को बढ़ाती हैं। उनकी मार्केटिंग और प्रचार का भी मैजिकल अट्रैक्शन पैदा किया जाता है। यही दर्शकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि यह फंडा हर फिल्म के लिए सफल नहीं होता, इसलिए क्योंकि ये इफेक्ट टेंपरेरी हो सकते हैं, जो ऑडियंस को एक बार थिएटर तक खींच सकते हैं, लेकिन अगर फिल्म कंटेंट में दम नहीं है तो कुछ ही समय में सारा प्रचार का जादू फेल भी हो जाता है।

क्लासिक फिल्मों की खासियतः सवाल यह भी है कि अधिक निर्माण लागत और अच्छी-खासी कमाई वाली सभी फिल्में क्या लंबे समय तक दर्शकों को याद रह पाती हैं? इसका जवाब है, शायद नहीं, क्योंकि फिल्में महंगी निर्माण लागत या कमाई से नहीं, बल्कि अपने कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय से याद रखी जाती हैं। बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जिसने व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता पाई, लेकिन उन फिल्मों की कहानी या कलात्मकता ऐसी नहीं थी कि उन्हें समय के साथ याद रखा जाए। वहीं कुछ फिल्में कम बजट में बनीं, कम चलीं, लेकिन कालजयी हुईं। करोड़ों का कारोबार करने वाली सभी सुपरहिट फिल्में कालजयी इसलिए नहीं बन पातीं क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर सफलता व्यावसायिक पहलुओं जैसे मार्केटिंग, प्रचार और दर्शकों की तात्कालिक पसंद पर निर्भर होती है। जबकि कालजयी फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली कला, गहराई और स्थाई सामाजिक प्रासंगिकता से जन्म लेती हैं। बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म का हिट होना, अकसर एक विशिष्ट समय की प्रवृत्ति होती है, जो समय के साथ धुंधली हो सकती है। लेकिन कालजयी फिल्में मानवीय भावनाओं, विचारों और सामाजिक बदलावों को पकड़ती हैं, जो उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी प्रासंगिक बनाती हैं।

बहुत कम बनती हैं कालजयी फिल्मेंः सौ सालों से ज्यादा लंबे भारतीय फिल्म इतिहास में आज भी ऐसी फिल्में अंगुली पर गिनी जा सकती हैं, जो हर दौर में पसंद की जाती रही हैं। 'कालजयी' का मतलब है, समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखना। कालजयी फिल्में समय काल के सामाजिक रुझानों, तकनीकी नवाचारों या विशिष्ट जनसांख्यिकी को पूरा करती हैं, जो समय के साथ बदल भी सकती हैं।

कालजयी फिल्मों के जरूरी तत्वः अगर फिल्मों को कालजयी बनाने वाले तत्वों की बात की जाए, तो उनमें कलात्मक गुणवत्ता बेहद जरूरी है। कई व्यावसायिक फिल्में तकनीकी या कलात्मक गहराई की कमी दिखाती हैं। प्रासंगिकता के नजरिए से कहा जाए, तो कालजयी फिल्में सार्वभौमिक विषयों जैसे प्यार, न्याय या मानवीयता की नैतिक दुविधाओं को उजागर करती हैं, जो किसी भी समय में दर्शकों के साथ जुड़ जाती हैं। ऐसी फिल्में जो समाज में गहराई से जुड़ती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों को प्रेरित करती हैं या मानवीय अनुभव की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं। ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों कमाए, लेकिन कुछ सालों बाद उन्हें भुला दिया गया है, क्योंकि वे किसी विशेष समय की उपज थीं। दूसरी और ऐसी फिल्में भी हैं, जिन्होंने रिलीज के समय बड़ी कमाई नहीं की, लेकिन अपनी कलात्मक गुणवत्ता, कहानी और स्थायी विषयों वाले कथानक की वजह से आज भी याद की जाती हैं और देखी जाती हैं।

कॉमर्शियली फ्लॉप पर क्लासिक 'मेरा नाम जोकर'

कुछ कालजयी हिंदी फिल्मेंः बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो अपने रिलीज के दशकों बाद भी अपना एक अलग मुकाम रखती हैं। इन फिल्मों को हर दौर में हर पीढ़ी के दर्शकों का प्यार मिला। 'कागज के फूल', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'बॉबी', 'शोले', 'दीवार', 'उमराव जान' जैसी फिल्मों को आज भी दर्शक याद करते हैं। इन फिल्मों की गिनती बॉलीवुड के क्लासिक कल्ट के रूप में होती है। खास बात यह है कि इन फिल्मों ने व्यावसायिक रूप से भी सफलता के झंडे गाड़े थे।

कई फिल्में अपने समय में व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं, लेकिन बाद में उन्हीं फिल्मों को बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक का दर्जा मिला। उदाहरण के तौर पे 'मेरा नाम जोकर' और 'सिलसिला' जैसी फिल्मों को देखा जा सकता है।

ये वे फिल्में हैं, जो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि मानवीय भावनाओं, सामाजिक मुद्दों और मानवीय रिश्तों की गहरी समझ को भी प्रस्तुत करती हैं, जिससे वे हमेशा के लिए कालातीत बन जाती हैं। *